

Title of Mss: Ramayana (Sundarakanda)  
Language: Sanskrit  
No. of Folios: 38  
Materials: Sanchipat  
Mangaldai College Central Library  
Mangaldai, Darrang, Assam.

Acc. No.: 04

Class No.: 091

... কথ্য কথ্যাহান কথ্যাহি । জামত্মনিবাবন । কালমতমস্থিখনঃ । মদ্ববসস্থবন অস্থত । ত্রকতযবিনামনঃ । ...  
... জামিখনাজনেকবি । ডাকিবোলাহবিহি । তেব্রত্বেতবিয়ামসিার ॥ ১৫ ॥ ১৬ ॥ ১৭ ॥ ...  
... মক ॥ ১৭ ॥ ১৮ ॥ ...

শ্রীকৃষ্ণেনমো ॥ বাজদাৰ্পুখযেজেইজিবামত ॥ শ্রীবাঝোবক্সণে বোজেনেম্বিবাশাকানাতোত ॥ ...  
বইমবেকুর্দমতি ॥ মাহাবেনিমিত্তে নযপশ্চিত্তমর্শতি ॥ একেটেতেমনমুলাকাঅর্থমকল ॥ নামডালমন্দাতি ॥  
... কালিদহ ॥ অথানহিকবেগাওতময়ন ॥ মদাইকবেদম্বিনেনোমান ॥ ১৫ ॥

০৫











... ॥ १०० ॥ के ह्यथा आसिनेन क्रि वनि साठव । हातु विमावा अजीम ह्यसि अर ॥ के ह्य  
... ॥ आकास कथा हि हा हि वान ह्यु वाय ॥ १०० ॥ के ह्यथा आसिनेन क्रि वनि साठव । हातु विमावा अजीम ह्यसि अर ॥ के ह्य  
... ॥ आकास त विभि नने नु नि नु वानि । वान ह्यु अ ति तु मि आ मा क ना जानि ॥  
... ॥ न क्रि त थ डि लो आ पु ना व थ वि क व । आ न ग ति ना इ इ च व ने वा म व ॥ सु नि या वा  
... ॥ न क्रि त थ आ सि र्थ नो वा व ना ह्यु वा ॥ डि ति क वा न ह्यु अ हा व क थ इ ॥ न क्रि त थ डि लो आ पु ना व थ वि क व । आ न ग ति ना इ इ च व ने वा म व ॥ सु नि या वा  
... ॥ वान ह्यु मि अ का थ डि वा ये । वा म त न क ने क थ आ थि ना मो जा व ॥ अ वि  
... ॥ वान ह्यु मि अ का थ डि वा ये । वा म त न क ने क थ आ थि ना मो जा व ॥ अ वि  
... ॥ न क्रि त थ आ सि र्थ नो वा व ना ह्यु वा ॥ डि ति क वा न ह्यु अ हा व क थ इ ॥ न क्रि त थ डि लो आ पु ना व थ वि क व । आ न ग ति ना इ इ च व ने वा म व ॥ सु नि या वा  
... ॥ न क्रि त थ आ सि र्थ नो वा व ना ह्यु वा ॥ डि ति क वा न ह्यु अ हा व क थ इ ॥ न क्रि त थ डि लो आ पु ना व थ वि क व । आ न ग ति ना इ इ च व ने वा म व ॥ सु नि या वा  
... ॥ न क्रि त थ आ सि र्थ नो वा व ना ह्यु वा ॥ डि ति क वा न ह्यु अ हा व क थ इ ॥ न क्रि त थ डि लो आ पु ना व थ वि क व । आ न ग ति ना इ इ च व ने वा म व ॥ सु नि या वा





...नसाहनाजनसाहनाये ॥ नदत्रियोसोसाहनाकिनाविमदित । आसिह्वासाहनेकआभावसन्निहित ॥ सवनसखावेआसिआहना  
विभिनन । कवजाह्वासाहनाहवचवन ॥ साहनेमिनत्रुकावेववदहसाये । आसनेवसिनाविबआदविप्रताये ॥ विभिननकसम्भुक्तिमात्र  
वहव । कहितनानामेतावसकनेसोह्व ॥ अनादिप्रकसतेहेजगतकावन । अवनवदनिजनसवनिश्चावन ॥ निजकसासम्भुनजाविनासाह  
व । हेनवामेथुतिकावसाविवेतामाव ॥ निश्चनप्रकसनिदहन  
येचव । हेनवामेथुतिकावसाविवेतामाव ॥ नदीप्रविधावेआह  
यासिजाकेतेहसाहव । सवेअथाहतेसाठेअजाकाकेजाहव ॥ हेन  
समत्रोवामकलयादेअिनाउहि । आकासेआकिनाठाविजावसमन्नि ॥ उरुकहाहियासम्भुतेदेअिनाताहक । नदीववाक्रमआसेभुक्तिवसासा  
क ॥ बाजावहाह्मिजेजानिनेककसिमाने । सिनाह्मिप्रुथाविलेनेकतेतिकने ॥ कर्कदिनाकसिगनयानवसकन । किनकिनधनिककेउकसि  
न ॥ अदिमवसेनासजार्जेहदिम । हानववदानकवर्षनप्रुसमिस ॥ उरुकहाहियासवेकवेरुहनि । नवजानरडिककेउरुनउजनि ॥ नवनसा

काविः आरुर्कलेनः आवर्किको ज्ञाव ॥ हाउगदाविः विविविजिनः आहियाथासमजः विजिनवैवः नरुवुठारैः सथुज्जासवेवज ॥ अना  
नहजः एडिआनमनः वामकथासुतमय ॥ एडिआनकामः वानावामवामः साअवकवाअनय ॥ १० ॥ १४७ ॥ अह ॥ एतेकवचनबुनित्तुविजिनत ॥ अना  
नकविनायेयासायवठवने ॥ उतअविवेककश्चकविनावावने ॥ नेकेसित्तम अकहिनाविजिनत ॥ नेकेसिवानप्रवाअमोवदोनेभाक ॥ उतअअवाव  
काज्जिहियाकआमाक ॥ वावनवमठिउतसवेठनाहिन ॥ मनकप्रवामव जिवेकवुतदिन ॥ हित्वानशुतोवहिथेदिनेनाथि ॥ जानिनोहेजत  
तावमनठिनाथाति ॥ उतएडिनेनेमोकथाथिवेककोने ॥ आवेजावे नाउयजिवेकशुकानसथुत ॥ विजिननेवोनप्रथाकिथोवहिआन ॥  
वामतजवनमहनेतानयोजाये ॥ आवेवददातजोथोकिवाववसाथैः ॥ जाठविमवसिथीवामवसासेजथैः ॥ वडिविजिननेहडिलप्रजावव  
वामवठवनेहासेनमित्तुमाथ ॥ हूनयप्रनियाविदप्रहसेनमाथि ॥ सवनमागिरेविजिननडिजाति ॥ अनेकअकावेथाईनामायतनेनानि ॥ अथ  
विप्रेजाउअवनवदेषठारि ॥ केनासगिबिकनागिथवित्तुदिन ॥ आवेवुअठिवाकहिउतसदम ॥ महादेवप्रवेवेथाअप्रमासथैनि ॥ अन्त  
वेवनदेयेठाईनाठकुमेनि ॥ इवकवानथप्रुदेथाविद्यमान ॥ आमावभासकआसेकोनसाउजन ॥ १० ॥ अनेकजाजनहडिआनवववेसे

10  
 11  
 12  
 13  
 14  
 15  
 16  
 17  
 18  
 19  
 20  
 21  
 22  
 23  
 24  
 25  
 26  
 27  
 28  
 29  
 30  
 31  
 32  
 33  
 34  
 35  
 36  
 37  
 38  
 39  
 40  
 41  
 42  
 43  
 44  
 45  
 46  
 47  
 48  
 49  
 50  
 51  
 52  
 53  
 54  
 55  
 56  
 57  
 58  
 59  
 60  
 61  
 62  
 63  
 64  
 65  
 66  
 67  
 68  
 69  
 70  
 71  
 72  
 73  
 74  
 75  
 76  
 77  
 78  
 79  
 80  
 81  
 82  
 83  
 84  
 85  
 86  
 87  
 88  
 89  
 90  
 91  
 92  
 93  
 94  
 95  
 96  
 97  
 98  
 99  
 100  
 101  
 102  
 103  
 104  
 105  
 106  
 107  
 108  
 109  
 110  
 111  
 112  
 113  
 114  
 115  
 116  
 117  
 118  
 119  
 120  
 121  
 122  
 123  
 124  
 125  
 126  
 127  
 128  
 129  
 130  
 131  
 132  
 133  
 134  
 135  
 136  
 137  
 138  
 139  
 140  
 141  
 142  
 143  
 144  
 145  
 146  
 147  
 148  
 149  
 150  
 151  
 152  
 153  
 154  
 155  
 156  
 157  
 158  
 159  
 160  
 161  
 162  
 163  
 164  
 165  
 166  
 167  
 168  
 169  
 170  
 171  
 172  
 173  
 174  
 175  
 176  
 177  
 178  
 179  
 180  
 181  
 182  
 183  
 184  
 185  
 186  
 187  
 188  
 189  
 190  
 191  
 192  
 193  
 194  
 195  
 196  
 197  
 198  
 199  
 200

उन्नकवानह ॥ इहानेयायायेअजाकान्तविश्रुव । इतिवाकडुद्योगसकनेवाकुरुव ॥ उदुमावकवेअजाहातेअश्रुववि । सुतवेमाविवार्येयाविन  
अनकवि ॥ सवाकेसमुद्रिमातिनउविउिउर । आवजेजानिनोर्तनाविनाजनकन ॥ वाहनकिमिउडिनेकवारनदहाक । सवाहावेमनवायवकेअनिवा  
क ॥ अनासुनाददानकानाअनिजाह्व । मईहितवोनोअनावाकसकनह ॥ गोयवदुवाअिजाईबाहववडिता । अकुरुठननोवनेनेअियेतिता ॥  
११० ॥ जतकतायाहमलिबोनयकनय । आप्रनियोउमिनजानाहवर्ष्य नय ॥ अइवइउमिउनिहाहियेमन्त । मोहाववठननेअिवाहाहित  
अ ॥ अकुरुठिनेदेअयहितरुअनय । दिअनिर्झानवडिउोसकनाया यय ॥ अकनववठनकनेदेअयहित । निमयअनिवजानामवनसनि  
उ ॥ अकनववठनवेरुचयजाक । अतअडुअनिअनिजानिवाहता क ॥ अइवउवतिउेनाउमिहवाठव । अतिउताकवाहविनाहअनद  
व ॥ तामावेसेसर्देअमिधर्षहकयार्थ । उमिआठानदाअमिबामयाकेजाई ॥ अनियोकसईजनेअमवठकि । वेदववहअजानिअियाअिनि  
उ ॥ महसकनेआकगावेअतिशाम । अअआनेसिबोधर्षअर्षमोककाम ॥ अतावेमाधवअकउजिवअानन । हेनअहामवउजासदमकवन  
तेवेसेससावहअअअआसेवि । वानउकननिताकिवोनाहविहवि ॥ ११५ ॥ ई ॥ कृवि ॥ अथानदन्तजेनः अगनिनागियासेनाः वजा



কবি ॥ একেইবেআসিনেকবিবকসিগোচ ॥ নকীচরকবিনশ্রকবিয়াআশ্রোচ ॥ সমন্যেসহিত্তিআননহাশ্রিনা ॥ কেনমতেদশ্রকবিব  
চরভূনিলা ॥ নস্ববিপ্রবিয়ার্ণনাতোমাসাবকাচ ॥ নকীমাকোেকসমকোরবিস্বআচ ॥ স্ববান্নমাবিচবিবহদমেঅভর্কী ॥ স্বামসবেণাবির্ভনা  
শুভজ্ঞতর্কী ॥ স্বনাশ্রনাদদানকীনাশ্রমহাসয় ॥ ওমিব্রশ্রচিনেমোবহুনিভলাশ্রভয় ॥ শ্রমতজ্যেবামসমেবুদিকিবেককোর ॥ হেনমহাবিস্বতর্কী  
ইবেকোরজনে ॥ ৭৬ ॥ ভদস্যামদমভেদ্রগাইনিসিকয় ॥ তেবেসে  
শ্রানিজনেরাজানয়সশ্রজাগ ॥ স্বনাবোলোদদানকীনাশ্রনিসা  
বৃষ্টিজ ॥ কেব্যানসাবিযোর্গেযাসমর্চিগ্যাসিতা ॥ কিবাকর্ষজান  
লাজদেআশ্রমিকাক্রেনর্ক ॥ স্বামসচবনেনিয়াসিতাশ্রমর্চিগ্যো ॥ শ্রিবান্যহুহুহাবাবাক্রসশ্রান ॥ স্বানহুভান্নকজোবনকবেনিশ্রন ॥ নকীতল  
নজপ্রকবায়বসাগবে ॥ স্বামসভার্থকদদাসমর্চিগ্যসত্তবে ॥ বিভিসনেহুনিশ্রপ্রচিভচন ॥ স্বাবনহুশ্রিশ্রনির্ভলাতর্কীমন ॥ ভাহকচাহিয়াবোলে  
সকোখনযনে ॥ মোকশ্রিকবিনেকজোহাববচনে ॥ শ্রহুজানোহাবুভমশ্রিভিসন ॥ আবেসেজানিনোতহুশ্রমহর্খন ॥ শ্রম্মমহনজানসবা

वरकामहविषः नरुविवाक्याः प्रममनः ॥ आत्मकथामावधानः इन्द्रजित्नामवज्रः नवाकेशाविवेसमस्त ॥ इन्द्रादिकविजयः दसके  
 निन्नातः दसककथानममनान ॥ जिनिशैलकवादिः नरुकाकथानिनेजिनिः इन्द्रजित्नामकथामवि ॥ इन्द्रादिकविजयः दसके  
 यागातः श्रुतकदिनत्रयविकाव ॥ उथागिइन्द्रवमानः महत्प्रयत्नचयः इन्द्रजित्नामकथामवि ॥ इन्द्रादिकविजयः दसके  
 शाकिया इन्द्रयथाविह्वि ॥ श्रुतमन्त्रजातान्तः ज्ञानकथामयविवः ॥ इन्द्रादिकविजयः दसके  
 ५० यः मेधनादश्रुतप्रजाता ॥ यथा ॥ अहलेबानत्रकिकविवह्वम ॥ इन्द्रादिकविजयः दसके  
 ५० अश्रुतकेशावि ॥ नृशक्तिवहनयवेर्जनवद्विवावि ॥ यथा ॥ इन्द्रादिकविजयः दसके  
 कर्तव्यनिश्चयनिजाक ॥ शोथेजश्रुदियावानेसमस्तनरुका ॥ मोकसहायोकमावोवानवकेथाग ॥ वामनकनासिगाठोगा  
 विनासे ॥ वामनकथानकजावश्रुतकेशावि ॥ इन्द्रजित्नामकथामवि ॥ इन्द्रादिकविजयः दसके  
 ५० इन्द्रादिकविजयः दसके ॥ इन्द्रादिकविजयः दसके ॥ इन्द्रादिकविजयः दसके ॥ इन्द्रादिकविजयः दसके ॥ इन्द्रादिकविजयः दसके ॥



समस्तस्य महानिजस्य गाय । नरिण्यविठ्ठलकविवेकनाहवाय ॥ अष्टमस्केश्चाकविदाममहावने । समदनेजागवतविवेअविकले  
नामज्ञिजादेविजनकविश्यावि । आषोडानावाममधुमनमडावि ॥ वामवहउजालोमोवुजाहवजिह । उथाशिनैदियजिजजनकवविव  
मनिगायलोकेश्चिबोलेबावनाथ । इअश्वकथाअवुठायामन ॥ अमाननरिण्यविठ्ठलनाहमले । आमिजानिनामहनलेकह  
आठिनोहोहृप्रेश्चिअसिकुक्तिमने । किसककवयमवप्रवअन्नाजि । ने ॥ अमनवेवविश्वविआठेसवेनरि । मवश्ववामकअवुव  
वाजिनी ॥ अनियोकमतासदहामवहविह । अवमववजवजकवह । अमृ ॥ संसव्याधिककवेहेमडुअमाम । निवुठवेसुकेविना  
नावामवाम ॥ १३ ॥ १३ ॥ हृदि ॥ आधनवनकअवुः । त्रकअन्नादे । श्रुमिः । उवनेजनाहनाहउय । जातानवोवाअकिकः जिनि  
यनगाहनाहः । आनकोनआमृथाकय ॥ नकिनदिसउमिः । जमकजिनिनासेया । अकिमउजिनिनावरुन । इअथानिकविउतः । उममका  
जिनिनाहः । उमिसविवनिआठेकोन ॥ केनामकोहानिनाहः । इवेवकेजिनिनाहः । आनिनाहअश्वकविमान ॥ अरुमउआतानतः ।  
माकसमाननाहिः । इमायोकविनाममान ॥ वामदेवनमनकः । अष्टमस्केश्चिअनकः । एकेअवेजिनिवावना । एलोअविजयथामिः । एका

अत्रिकालेभ्यमवत । असांनिभेनमोवभाह्यबावन ॥ इहप्रथेतनमानकवेअडिनामि । आवाआहप्रथेसिठोमाकठार्हामि ॥  
 नेकसिद्वानिदिडिसनेभनिनत्र । मायकभनामिसिखेवेगेठनिजत्र ॥ दादनावसियाआछेअसमवित्त । विष्णुउकउठेयामिनित्त  
 हित ॥ अहिनगडिबदिबदिबदिडिसन ॥ वामउकउआठिसयअक्रमन ॥ दाजनयसप्रछिद्वंशकजानत्र । दादनाकसप्रुक्रियावाकप्रुनित्त  
 नक्राप्रविह्वमखेसेनाजेनमत । आप्रनियेदेथिनाहासाहस मरित्त ॥ काहावसकठिआठेकठयकवि । सतकअह्वणअसाग  
 वकतवि ॥ निजक्रायेआसिनाजेनक्राजेनगवि । सवेदिजठाहिया फुडिनायबाहवि ॥ जिगाकदेथिनामाविलेकसेनाजन । वनड  
 क्रिसिआनककविलेकठन्न ॥ १२१ ॥ इहजितेहकिनेजक्रबडतव अ । नागगाजेवाक्रिलेकठेकिथेअकश्र ॥ इडविदिहिनोहे  
 नकविलेवद्र । नायजहअगनिनक्राकविलेकठन्न ॥ एकेकअमछिमोवप्रुद्वित्तुठव । आप्रनिसकनेजानाकिकहिदोआव ॥ एकेअ  
 मथिखेवेमअनाकवय । इडमह्नियताकेकाहसअनय ॥ अनेकअप्रिवजेवेहयेएकमठि । मअमह्नियताकेमथिवसकठि ॥ १३० ॥  
 अकनहेनजनाहिलेवसेवोनह । अथमह्नियमककाहसअनय ॥ वायवप्रनिसजेनजगतविदि । कहिदोकाहिनिजेनआमावडुछि ॥

...समस्तस्य क्रियाते कवित्तमस्य ॥ श्रीवामनमनत्रावोत्रुष्टसहित ॥ सायवतिवृष्टिकवित्तमस्य ॥ सायवतिवृष्टिकवित्तमस्य ॥ सायवतिवृष्टिकवित्तमस्य ॥  
...सनाजनर्तनात्तववनावाने ॥ नक्रियविह्वमलेमधुनथाइना ॥ आसिमह्यनिमाठवमावियात्तनाइना ॥ इसवकार्यक  
...देविजानित्तमने ॥ सबेकथाकहिलाभायविभिजन ॥ वावनावमाठवकवित्तियनेकेसि ॥ सत्रुक्रियावोलेविभिजनकहाकरि ॥ इरु  
...सुमुठिनवावन्वायेवेव ॥ इविथानिनेकसिठाविडुजनेकव ॥ इत्रुठाकविधायथाकिनेदिन ॥ श्रीवामववायाजिठाइवियाथा  
...निल ॥ इठजिनर्तनावेठानेयठनिलेया ॥ सात्रिकवाइवितेकइ ॥ इठसुथाया ॥ अइष्टवतिर्तनाजिठाइवाठाव ॥ अत्रिठुठाकथा  
...इवितेकववनाव ॥ वाकसमनववेठानेवावागामि ॥ अठ ॥ इठिनवाअविमवोआमि ॥ वामवसमानविदनाइवइव ॥  
...शुशिविकुततइठगावेथकेसुव ॥ सायवकसिसिठुवाइठुसुवहानि ॥ वनउश्रवाकसमनाइत्यादिजठानि ॥ १२० ॥ वाजावजेहनय  
...जायेआठवि ॥ वामावेसेवमववाकसमवधवि ॥ धर्ममथइठुमिठुनागाव ॥ वावनेवुठायवस कवित्तानिआव ॥ इमिसेआठाइ  
...वाषमननिआवन ॥ वावनेवामठजनमयसवन ॥ सिठाम्भिराकवुनिवाहाजननय ॥ एवाववठनवेठानेवअनय ॥ इठामिथा

ॐ निजिह्वे स वेसेनामन । कलत्रनमसुकिठोनकवे ७जन ॥ हेनवउहनेसेनाचलेवर्झमने । नाछुगयउसवेकउहनमने ॥ महिउयउ  
 धामेयाआहेनउमनय । मद्रुवसुगक्रसानाकलबुआमय ॥ अमृतसमानसवेठकाफलथाईना । मन्तहृदिसेसवेउदसुवडाईना ॥ कम  
 नाकप्रवकशुकियनाविकन । आमजामनेहुकवदविजवावेन ॥ डालउधवियाकताउनमाईवाइनि । नवडानवडिउठवकेनाउउउनि ॥ ग  
 मरमनुनेनेयावियासिनाधनि । सप्तनेत्रीवामेआईनासागवव ॥ तिव । वामठलेवानुअमृउमहृदिव ॥ ईहायउसेनावोकथा  
 नशिकवि । उगाईठिठियोजेनेसागवववि ॥ अमृउववोने ॥ सेयासेनाउठिनिन । उागउागकवियासेनाकेथानदिन ॥ अ  
 नकवकठानिवसिनावानव । कुमिनदेथियजेनअसावसागव ॥ १०० ॥ नरमकसभुदियामउउुशीहृदि । अमवियासिउाकअनेक  
 मयकवि ॥ कानियावोनेउवागकिकार्यजिवाक । धविवेनागावोदुदिसमविसिउाक ॥ उवाअनममनकिमउववाजिव । वडकवेआह  
 उजनकवदिव ॥ मदनेदगधहेहेआमाकेअमवि । वडदथेअनधविआठेअनेअवि ॥ हेनयकाउकदथथाकिवेकसहि । उवमवक  
 मयकावनेनेलावहि ॥ आजिआहेवोकानिगाईवोमनउकवले । वाहदिनेदगधसिउाकअमवले ॥ सिउाकेअमविवामेसाककविनेउ

कवानववने ॥ कन्ठकडात्रियाः अशुभकान्तुः सवेजाशेवासमदानः ॥ कानववजाहः एव कवामवः वचनशुनियाः नडिनवानवजाति ॥ उत्रक  
कठकाः ॥ ककक्रकियडः कवठठनिनाथाति ॥ अत्रजादिसः अक्रमहादनः विवववठनिजाह ॥ नक्रिनदिसः मेन्वाजेअसेनः जाअवठठनि  
जाह ॥ उत्रदिसवेडिः वानवववजाः नडिनवसमदाने ॥ महिदुगिहिकः गाईनागेयासवेः वक्रिदुक्रिकवहने ॥ कोशकेहोवातेः नक्र  
नसक्तिः एवेसेमिनिनामानः उत्रकवाक्रमः मिसाठथाचयः ॥ मरावेमिनाकान ॥ आगठठलुः मिनजाअत्रः अ कानमथा  
गाईनुः मेकजेदनः वामनक्रमः अक्रिदुह्रमथ ॥ अक्रिदुमि ॥ हिः उडिननथाईः नडिनववक्रमे ॥ साकठजेहेनः कवेव  
दवकः वेडिजाईसवजने ॥ १०० ॥ ह्रमथमिहिः श्रीवामठडिन ॥ अशुभमथसवमाऊ ॥ वक्रविजेनः कठठनिना ॥ एवाकठदेववाक  
जाहअशुवावेः नक्रिननाजिका ॥ उत्रमथववहय ॥ किठठयनाहिः वनडिठहेवेः अमक्रिनवानिकय ॥ १०४ ॥ अत्र ॥ अशुभमिगनेवार्थु  
उमथववे ॥ अमथमिठिकविजनथवाक्रमे ॥ नक्रिदिसेदेथियाडिदुवकेडु ॥ वानवववसवदेथायेथयह्रु ॥ वानववकेमाविम  
मिठकमानिवो ॥ मवेअथाहठनिअक्रिदुवाकेजाहरो ॥ वानववववकीमिअशुअक्रमे ॥ वेदमथववानजनाथमक्रिने ॥ वाहमिने

ननु ह्येवमिति । विप्रकानिनावामेहियेप्रहिहानि ॥ यनसाहनहप्रुथातकडवेमवे । वाक्रुसिबमाकउकमनेशानधवे ॥ ७८ ॥  
जियेप्रुनिग्रामहेसिगावनिकाव । कोनशुनउलामोवशानधविहाव ॥ आनह्रमउबुनिह्रमेनिगाईना । आनकिपावानेआनि  
कानाउवेसाईना ॥ नक्रावसवकथाकहकेनहान । अथानियेकउद्वडह्रिकउमान ॥ कउकसप्रामथाचेकेनमउमड । नद्विावे  
नागाविजानोह्रगमदडमड ॥ अनियागोसाईजेनजेनदेथि नोहा । नक्रानसवकथाअनमउकहा ॥ गयथानदेथिलो  
ह्रवहनविश्रव । गयलोठवेडिआठसकनेनक्राव ॥ इष्टाव । जेजनजप्रुउयईहवेस । अइडअनह्रगरेआमोदविसेस  
॥ वडवडकठकह्रिहियाह्रयावडु । वजनोहेनिमिनाह्रविहोवाजअथ ॥ ह्रविमप्रामथाचेह्रविहयाव । ह्रजेनआकासउप्रकानक  
कर ॥ नोह्रजह्रगनआठह्रयउथिउ । अलवानमनिमवसववेअथिउ ॥ हेनमउसाजिआठिआकउउहि । देथियाअनाईअवदनम  
ठकिउ ॥ वाह्रदिनेवाक्रुमेवाअयसजवाजि । अलासवसनाथाधवअथनमाजि ॥ आनयामप्रडिनोह्रअहाईनोमप्राम । इगमअथावड

...कविनाहोमम ॥ नक्षत्रानश्रुवियाकविनाहावममि । योनवप्रितवेजननिर्गनियेछमि ॥ नक्षत्रानश्रुवियाहामवेठानाहाव ।  
मनश्रुमाविनाहोवाक्रमनकाव ॥ उमिवामदेवतानक्रमनसथाजाव । उहासदिजाहृवुनोसकाथाठकाव ॥ ननविषमश्रुश्रुनक्ष  
म्रवश्रु । निनसेनाश्रुतिथाकृनसतेजार्हवश्रु ॥ ७७० ॥ एतेकेसहितसवेसागवकतवि । हावनाकमाविजिताथानिवाकणावि ॥ सागवत  
हवेजेवेथाठयुजाहृ । तेहेसेथकषुसवेसेनानक्षत्रार्ह ॥ हाथरेवोनश्रुतिथाथडिनश्रामाव । सागवतविवेसवेमोवथा  
ककाव ॥ उशवश्रुवावेसावेससिवाहेजन । केउकेनक्षक । जार्हवेसवेसेनावन ॥ जयनमोवामथादिश्रकमश्रुजावि । ३  
श्रेयहाविश्रुगतिवगतिकावि ॥ महामहाशाशिकनिश्रावेजावनाम । श्रुतिश्रावनश्रुमामयश्रुवामे ॥ श्रुच्छोकहृतिमोवतामावठव  
न । वानावामवामसवेसमाजिकजाने ॥ ७७४ ॥ ॥ ॥ ॥ नोनडि ॥ कहिवाश्रुश्रुः श्रामवश्रुमितः सादेवेवठनशाना । एहिश्रुतक्रमः वि  
श्रुतः श्रुवितससन्वेठना ॥ कानिदेवश्रुवः फाल्लनिनक्रमः श्रुतिश्रुथाचेहृत्ता । इयोजेनक्रमः श्रमक्रमकाहः तावाहृश्रुश्रुत्ता  
ः श्रुतिश्रुवनाथन ! श्रुतिश्रुनिवाः श्रुतिकथानिवाः श्रुतेककवयमन ॥ श्रुतिश्रुनश्रुकः निनजेक्रमदः श्रुतिश्रु

देवनाकेवास्यभ्यामनिर्देना । अथिदिकनासिदात्मनिकानिना ॥ ३१० ॥ मनिलनेसायावबुआनकमिनिना । हागकदेअिनोडु  
 नमनिकदेअिन ॥ इदयउमनिनेयासादबकबु । देआवउप्रबुनिआनसकलु ॥ मनिकदेअियाआमहुविसमिनिना । अमिडक  
 अमविआवेअगनिजनिना ॥ इवमप्रमोहेकचिहिकबिलु ॥ सितावसागतनियएतिअनेउ ॥ इवदनिकमोवदेओठमूउवि  
 आनिदिमाआकोलेनडकठविहृ ॥ इवमप्रयागतहेमोवा वानमन । अकिवाकनगाबोहेतोउउअन ॥ समुडकविद्या  
 सिताकेदेअिअिनि । हावनावददयउठमकनगाइनि ॥ अथम उकथावागकहिनाहउ ॥ अनमउरअनिनोसोकेववेगु ॥  
 आबकायअुतिअुतिकहिणबमोक । सितावकथाउमोवठिअिब हक ॥ वामवअानेसगानिमहाविबकधि । वित्राविकविद्याकहि  
 नाअनवधि ॥ सितादेविजिबुनियामोकधहइलु । वामवअगतआसिसवेकहिनलु ॥ अउवअगतवागकहिविगकने । जनहाअिआ  
 काहुकसिंसगावतने ॥ वामसिनिनोकेमोकधयवकवे । आमाकदउिवएहमासेकअनुवे ॥ एकेकदिनवइअसहननजाहे ।  
 आसिवाअिवामासेकहाउगै ॥ नाजउउअसिठोमोहनजिअामि । आमाअएकविलेवेमविबोहोअामि ॥ माकृतिवअअेअनि



অসামান্যমসি বিদ্যা হইল নিবৃত্তি : স্বাৰ্থ বেবোন প্রসবে শ্রনা কসিগন ॥ কানবান্দেখিনা সিতা কহিয়ে এখন ॥ কহিত্তা চিত্ত সিতা বস্তু কিস্ত ॥  
কানবান্দে জনমত কহিয়ে সন্ত ॥ কৃত্ত জনিক বিসবে হইল প্রহৃত ॥ আদে সগো সার্ক আ কহি বা তোমাত ॥ সব মিনি মা কৃত্তিক আ স ক বি দি না ॥  
কহিয়ে হ্রম সন্ত সমস্ত কহি না ॥ অস্তে সন্ত কৃত্তিক আ চিত্ত জি মাত ॥ জন হে ত্তে আ চেনে বি স্মা মিত্ত কৃত ॥ আ চিত্তে সো সানি মা য় সা ত্তি শ্র শ্র  
বা ত্তি ॥ হ্র শ্র শ্র আ দি ত্তে যো জা নে ন ব গা ত্তি ॥ সিতা ব স্ত শ্র ত্ত জন  
হ সাদ বে মন দিয়া ॥ মহি কৃত্ত হ্র হ্র হ্র হ্র ক বি ল ক্ত ॥ সা স হ্র হ্র হ্র  
জা য জা হ্র শ্র বেন চ ডি না ॥ নি স ক্তি ক বি য়ান ক্রী ন গ বি ফু বি না ॥ ৩  
নে য়ো ক সো সার্ক হে বা চি নি য়ো ক মনি ॥ হ্র য় বান হ্র ম নি চা হি য়ো আ শ্র নি ॥ এ হি শ্র নি বা ম হ্র হ্র ত্ত ম নি দি না ॥ চান ক বি হ্র শ্র না থে হি য় ত্ত বি না ॥  
শ্র নি য়ো ক সো সার্ক হে ম নি ব শ্র য় শ্র ॥ কৃত্ত জি না জন ম স্ত শ্র না ক হে ক থা ॥ ক বি য় জন কৃত্ত জি না ম নি ব নে ॥ হ্র দে বে শ্র হ্র ক বি য়া কৃত্ত জন ॥  
জ সানি হ্র ব শ্র শ্র ব হ্র হ্র ব বন ॥ শ্র শ্র বে জি নি লে হ্র বি ল ক দে ব গন ॥ হ্র দে বে শ্র হ্র জা নে বা স ক মো ব নি না ॥ দে ব ক হ্র শ্র য়া দে ত্ত শ্র ন ক মা বি না

नकिर्षाङ्गजानिना । नतामनाइकिठामोहमब्रुवनथाइना ॥ हाम्यकविदानेअनामोहोहमाउत । अनकथाइडिकेनेठनाश्वउत ॥  
 उममादेअियागानउतिलेकहाजि । जवयोअराकेठारिहमअकाजि ॥ हाम्यउनअमनयामेकविथाप्रहूक ॥ अगुअउवोनअममानकविवा  
 हाम्य । आमाकहियोकसवेअरिदवदोस ॥ नविअअमउतमउवकविजाह । जवसअअरिदकसिअमहाइयाह ॥ विनअनकविअमिनव  
 डिजायोक । वामवआदेसअरिदउजनायोक ॥ नृगतिवचनकजि । वामउकवि । नविअअनडिर्तनाअअवउकवि ॥ अरिदवआमो  
 इडिनउजोउह । इववाजाकथाअनाकहउजामाउ ॥ अअउजे । हेनमोहउमियाउनय । ताहअविकआवेतामाउसेउय ॥  
 जउककहिनामानेकिठोयेनठना । मोहोववचनजेअउनउडिसि । ना ॥ श्रीवामनअमनअथाअहउप्रइउरि । अनेकहाजिनाअवेयो  
 अउरि ॥ वामवआदेसठनातामाकजाइवाक । सिअठनियोकवाअथानिकनाथाक ॥ नविअअवचनकअरिदेअरिना । वानिअअमा  
 कथाअमकविना ॥ अरिदेवोनअअवाअनाअठिनोक । जाइवाकआदेसठनासिअठनियोक ॥ अरिदवअनिसवेइउउवचन ।  
 नकमाउनअमकनेकजिसने ॥ अरिदक्रमववाअजसवउगाइनि । उउयअनवमवेउमितिउडाइनि ॥ मउअजसममवेअवनवानव । अ

विप्रशर्माशामिनिनाह ॥ पृथग्निहृदयनकमिबोगतकवि । कुमिउरजिनानोहृदयेसवसवि ॥ अथतनाहिकेमाउडुमिदुधार्हना । बाजा  
 एहिकुत्रायेलाहृदयनार्हना ॥ अथुर्वेवोवन्नप्रवायमाहविप्रथ । आमाहमाउनकुमिकोनेदिनेहथ ॥ मधुवनकिवाउतकहियाककथा ।  
 तामाहकिमउतउतार्हसवप्रथ ॥ नविप्रथेवोनेप्रसवेवउतान । तामाहमाउनमोवहृदियाकगत ॥ तामाहप्रथदविदकथाहृ  
 धार्हना । असान्प्रथियासोवमधुवनधार्हना ॥ अनियाससथे  
 न्नननेत्रिमथोअधार्हना । अथमउमेयासववानकावा  
 हृदियाउवजिना ॥ हृदयवहृदयेगानउदिनप्र । हृदयहृदियाका  
 तिहृदयउतमिकिफिनाहृदय ॥ उरुतिहृदिनसवेहृदयउत ॥ मधुवननप्रउतकहियाकहृ ॥ हृदयहृदयेत्रियासोवयनअमन ।  
 तामाहगाउहृदयेकेवसेनासन ॥ आसिनाकोहृदययाकिरुथाकहृय । हृदयाथाकविनेथोनेहृमनहृय ॥ अथुर्वेवोवन्ननेत्राविधि  
 अन्नन । नविप्रथनामेउप्रतामाहमाउन ॥ कथाकप्रथददकिनहृदयधार्हना । सेथनेयासोवसवेमधुवनधार्हना ॥ यत्रउतानजा

सयानेत्रिलोहृताक । अनतिमुनिलोवन्नअनिनाहृक ॥ वहन  
 र्हेना ॥ आगवाउिअर्धनेथामाकवहिनना । कुमिउरुनायामो  
 मारुतगाठेनउतप्र ॥ कुमिविद्यमानमोवमिनिलअकाज । आ

इति विज्ञानात्कामदेवाकाविकारव ॥ कथावदाविकविमादिहसत् ॥ अक्षरवलाकवकासनकउक्षरिना ॥ सवर्णयाग्याछदविश्र  
 अजनाईना ॥ बाजावमाउतसवाहावेयकजन ॥ अनेकवानवसवदेवात्रयधुवन ॥ अहिनिजातशुक्रनेनउड्यावि ॥ मेनावमाकउजसिका  
 रायप्रवादि ॥ इति विज्ञानात्कावाकाविश्रासविम ॥ धनाअक्रकावनाकनियमसादिम ॥ प्रवेप्रवेहानकतामावेवेकश्रुले ॥ ह्यवहृणव  
 अमक्राउछेयमाने ॥ इति कोद्रयोवि-उ कण्डिउहयजडि ॥ हनेवनेहृकवववनिउषवि ॥ कलाकलाकसिसिग्याहृकउ  
 डिया ॥ उणिहृजकवेदविमअकहृहिया ॥ बाजावमाउतलाकउान ॥ मउजानी ॥ सिउवयगायकताधनामादिजानि ॥ केहृकोह  
 वानयथाअनरुद नोक ॥ समयववेनाउमिदिनिवाहामोक ॥ को ॥ शवानेअवात्रमिकिसवषाउव ॥ मिहृहृकविनजहृयसमाउ  
 ॥ बाजावमाउतमिदिनिवासाउव ॥ अहिनिहाउवविदवसनोकाव ॥ बाजावमाउतहृहृयउसाईनाहृ ॥ अहिनिअथनावेहाउव  
 ॥ अथथेहृकउमृकमृकसेनाहृय ॥ ७७ ॥ अक्षरेवविद्यादविश्रअकथाकलि ॥ इतिहाउअने  
 कयवकायमानि ॥ उमिउअनायातावउअवउवसि ॥ इति विज्ञानात्कविहयोमानेहृमि ॥ आहृअश्रुवजातम्वनमदि ॥ कायाद

विश्वामित्रः ॥ सर्वेषु यजनाद्योगेषु चतुर्विधं । एतिकाथं तान् देवैश्चामोह्यन्मृतं ॥ इत्युतिवचनं तस्मिन्नेव योजः  
कृतिकथासकवि ॥ मत्तुजसमसवेष्टवन्वानर । सितावरात्रकथायाहविमथाभा ॥ बाहववृष्णासकनिमत्रिकविजाहे ।  
सुकतोमिउगार्ह ॥ विविन्नानिकविमथानरुण्डाहेन । अयाजिनकजिवनमधुवनगार्हना ॥ जिह्वैवाकनामिन्नवेवसिधवन्ति । अनेक  
जाजनमथहडिनतहि ॥ मधुवनदेविजिह्वाकवेनउत्त ॥ गहना हिहाहवेजनाहवेअदीनत ॥ जास्ररुषमजैनममनआदिकवि ।  
सबावेजिह्वावधानिषावेसवसवि ॥ सर्वहृत्प्रमिनिह्रममृकसा धने ॥ वदुप्रवेकाहावोवचननादाविले । अदीनमववाअजम  
रुडमड्ड । मधुवनदियासवेष्टमिठिकरुड ॥ ताहनवचनवानिअहेना वाहिना । सकनेउत्तिकमधुवनेमेनिदिना ॥ जाहकजातकना  
समनउत्तथाह । उदवउवियासवेष्टमिठिकगाह ॥ आडाआथाकमिगनेहृक्केगयाहृडि । उतममधुवनेनगार्हनादादवि ॥ कताउयदि  
याअडवहृकउहृडिया । आदीआनिमानवनेहृहावेवविथा ॥ विआदिकविथाअथउठेठिया । अवमजतोसमायेअथेअधुदिया ॥ अथ  
कावकवेकताकताकवेवाति । मधुयजिडिनकताअचेनआति ॥ वनरुकावानवसकनेरुतागार्हना । हाउहृकवविमावमावकविवाहेना ॥

अथास । अथ काष्ठनिर्गमो नो जानकि वृथास ॥ सिता वृत्तं धूलिमात्रं कविना । देवि अत्रादे स वेद अति विना ॥ देविक इति नो हि  
 कव्ये कवि । वाम वृथास कच निजा अत्रि अकवि ॥ जात कस्य हि देवि मात क हि नु ॥ वाम क ह्ये स वेद अति वा ई ॥ अत्रि देवान यथ  
 हास वेद जस्ये चात् । एक कार्य कथा जे स वा वेद मन आत् ॥ सास व कत बो हो अ ई व वि नने । आठे क वा क्रम किक वि व न व गने ॥ ई व जि  
 अत्र अत्र अत्र अत्र जन । ता को अर्श ने स म क क वि वा नि मून ॥ स वेद अत्र नि स वेद अत्र अत्र । विन अत्र कार्य ना ई हि से द अत्र  
 ह्रम अत्र न के वि नो द म ह वन । जा अ व अत्र आदि क वि गि या ति स क । न ॥ आ नो आ नो वि क्त अत्र अत्र अत्र । स वेद अत्र सा जि सा  
 इ ह्यो सास व ॥ स वे मि नि ले या आ गे सास व क वि । हा व ना । के मा वि जि ता आ नि रा क सा वि ॥ सा ज नि या जा ग ई वा वा म व च  
 वन । हे न क र्म क वा आ गे मो हा व स अत्र ॥ जा अ व अत्रे वा न अ व च न अ न हि । आ दे स क वि ना वा मे जि ता क अत्रि ॥ ५४० ॥ आ ज्ञान क  
 वि न अत्र जि नि आ नि वा क । आ मि जि नि आ नि दि ने न ने वे जि ता क ॥ वाम वृथास क ह्ये वि नि ले जि ता जने । वने जि जि ता क मा वि आ न अत्र आ अ  
 ॥ हा को क वि के ले ज्ञान क न आ ई वा । हा य हा वि सा अत्र अ वि वे अ वा ई वा ॥ सिता त्रि आ सि न अत्र म ले ना का ज । सा य अ नि यो क ठ ना



जिज्ञाना य कथाप्रहस्यकथाईनाच्छुद्धिदिवेदि । जिज्ञाकमातिनासिज्ञाकवजाडकवि ॥ शुद्धिकावकविद्यादुनितानक्रिञ्चव । अनेकमिनतिकविइ  
 नितानविज्ञव ॥ दुनितानिह्वसिज्ञाप्रचरुञ्चगाण । इहहेमनवहिनैउच्छुञ्चगाण ॥ नेवागवचनजावेअनितानिज्ञाव । धविवाकजाईगाठसि  
 तादृशाछाव ॥ आगवाडिमनोदविशिदिविचिकाव । छुदकोणवाकवाईनावावनहाजावे ॥ वशिथावर्गकवजाकविद्याआनेम । कथाअनसमे  
 तनानक्रिञ्चवस ॥ दोधकविबजाजावअविआर्तिर्मेला । जिज्ञाक वाकजिनोकेडकथाईवर्तेना ॥ वाटगाठडकथाईविनिहाजेना  
 धादुद्वेदिप्रमेमावअविचयर्तेना ॥ ७० ॥ अनेकसक्रिकथासिज्ञा • उरुहिनो । वामवथाईहिनियाअथयर्तेना ॥ हियउयानिका  
 क्लिञ्चवहजाको सोसाविबजाकेसाठेसिडिनकमाके ॥ जान् सकनडियातेनानिर्तेनामाजि । इनाईनडिर्तेनावनगाडिवाकअडि  
 जानगाडिफनथाईप्रचवकवि । वावनावेमधुवनेनगाईनोदावि ॥ हेनअनिमोकगाठेअविनवारने । सजियाणहाईनाअसंक्राउमेनागने  
 देविअवर्तकअनेनोहेछुआवि । सवेमेनामाविनोहेमेइवधुवाडि ॥ अह्ववअथगाठेकुविवाकथाईना । अविथवकोवेसियाजमथवेमे  
 ना ॥ साववमप्रिअथगाठेअहाईनावावने । गाकोमाविअहाईनोहेजमइकइने ॥ उअगाठेअदिथाईनाअरुजकमेवे । इहाइवनउककवि



... । हिंसा काने आह वमिनिन वदु प्रु ॥ अहिंस्त्रि आसु विकामु सन्नु चार् । आताम महु कवि विदु आठ चार् ॥ ७८७ ॥ अहुत समा  
... । अत्र नम सहु सदा सु मे श्रि ना म उ य ॥ अत्रु म श्रि नो क वि अ न्य क ने व व । अ वि व द डार् नो जे न अ र्क म न व ॥ अ हु त क  
... । अठ गोट वि न वि अ ने उ नो वा क ॥ अ न य व जे न मे क अ हु त उ नि ना । क ता द र जे न द्रु डि वा क श्रि अ वि ना ॥ अ हि  
... । अ व न क र्क अ वि नो ह्ये नि म क र्क वि  
... ॥ क ता द र वे दे श्रि नो ह्ये व न आ ठ अ य । अ म उ म्मा ह  
... ॥ हे न दे श्रि आ म्मा व द्रु क मि व ड र्क ना ।  
... ॥ नि ह्य क वि य म्मा र्ता व वा क र्क ना । वा क श्रि म्मा र्क श्रि ग द र्क न आ र्क ना ॥ हे क र्क न आ ठ अ श्रि म  
... ॥ वा क श्रि नि ना कि आ ह्ये व क र्क वि । आ ह्ये स वा व म्मा क र्क नो क अ न वि ॥ नि म्मा  
... ॥ आ हि न्ना जे अ व क वि नि म्मा गार् क ना । अ उ त क र्क श्रि नो ह्ये व न आ

७२ भाग

मोहनसहिनासाय । किमत्तमिनिविन्माकासुत्तमाचवाय ॥ मोहोवचनमनिकिर्ताइनेकजइ । दसजोजनकताइवेत्तमाचवाइ ॥ सवि  
वकाइनोमइजोजनजइ । दसजोजनमथथाकिनकइ ॥ मोहोवचनिसताइवससुतासकविन । मोहोवचनसाहिताइसतविइडि  
॥ आसिजोजनकआमिसविइवकाइने ॥ नवेजोजनकताइवेत्तमाचवाइने । अनवचिकविनोहोहोजनसतेक ॥ सताविकेताइणा  
चकाइनाततेक ॥ ७१ ॥ गउत्तमिनोआमिअइसुमाने । दाउठिसिबविलेकवकाइनेलोकाने ॥ महावेगेठनिनोहोअ  
वतआस । नेअथउठिनेकअउमेनास ॥ कन्यानकार्यतमे । इविचिनिअनेक । हेननेअिआवमोहोवचनोअठिबेक ॥ ७२ ॥  
अवराजिबिइसुसुत्तमवान । तार्कनासिनएजवाडिबेसाइनो । हाठान ॥ असनिवकाइनासिविसुसुनिइत्तव । सुत्तमउठनासवेअ  
असिअव ॥ आठिनिमेनाससाहितेनोमि । अनेकअठानिकथाकहिलेविचि ॥ इथार्ककेअठमिनोसादखितकवि । इनाइनेडिगेनोअ  
अववमवहि ॥ ७३ ॥ काजइकाउदेआवेअविइठना । कनेरहासाठमावउठिआठिबेना ॥ सुत्तमिसोहिनोहोउत्तमवस । किजे  
अठानिकविनिबिलेस ॥ ७४ ॥ सुत्तमकविमइसागवकाइनो । हायथाहिनिआनेसायथाठिआइनो ॥ लोकदेअिआजिमइ

नागार्थिप्रवाचन । गोमानिकविद्यावमनभेनादिन । अनिआठारसिहसुधार्थाअकुरुति । ह्युवावाहिनिआकुनास्मिभवस्रति ॥ ५५ ॥  
नागार्थेनामिअनिआठारकाल । जितासमनाडिअहिबुधः ॥ ५६ ॥ उउवत ॥ ५७ ॥ एतकवचनअनिअवेकजिअने । धवाधविग  
नाअनिकविबुधमने ॥ धवनिअथादिशुद्रकणायमेनि । अशिवितनाद्यायाविकवेकताकेनि ॥ ५८ ॥ जाअवेवानुवा  
प्रप्रनावडुअत । केनमतेनक्रासेनाकहियोअसुत ॥ किकव ॥ ५९ ॥ गोआनिआह्यकेनमते । कहितआह्यजिताकहियोसमसे  
किवाहनिअहानेनजनकविडुजिता । महाअतिबुधावाधववा । उवाहिया ॥ केनवासकेतआइनावाअतकहित । उमिवाकिक  
अकविआजिनउहित ॥ ६० ॥ अनियोकहिवोजिअठिनजा । प्रवसे । केनमतेउयदिनोमह्युवहसे ॥ जाह्येदेअिनो  
जनअनिआकाकहो । सागबुमाकतआसिजननअिनोहो ॥ ६१ ॥ अथमतेसागबुअवेसायेआइना । आकथाकइनिमोव  
वेगकउआइना ॥ ह्युवनननिवोनाकेमियोआमाक । वामह्युअजाअुजिताअुजिवाक ॥ उइवोनेजानोमविउदसवअ गोका  
सुधायेअिडिनेकेमानकविवेताक ॥ गोटेजिनियोहोवाअनाइवोअेठव । वाधवकउवेमोह्युतमानडव ॥ उइवहानिअनि

याचविलखडभक्त ॥ ७५२ ॥ आहन्वदुर्गिदिडावनमह्य । जनसर्वनिकनितमसर्वनाय ॥ <sup>वि</sup> उलवनकवसिवाकनकन । अर्ध  
उववाकहयेसिहृष्टिगन ॥ हृदिनमवयुष्टवसाहमहिज । अर्धवहृष्टमनाहृष्टदमोदिज ॥ गिबिन्दीहृष्टमिनाअवेअसिथा  
म । मागमनेविशामानेअनाहृष्टमि ॥ मन्त्रहृष्टानविद्याधुष्टजुजु । मनोमयहृष्टकविश्राकेशहृष्ट ॥ गिबितनजहृष्टेअधिष्ठिताहृष्ट  
मि । हृष्टकावेअनहृष्टेनामयजुष्टकनामि ॥ अविष्टमहृष्टदि । अर्धजनमत्तक । अर्धवतोअमन्त्रहृष्टमत्तक ॥ अथानि  
योहृष्टेदमममानजोजन । उलगेयागिबिर्लामादिहृष्टमान ॥ हृष्टममयुष्टवेसिदितनजहृष्ट । अथकविन्वविष्टुष्टकठहृष्ट ॥  
महर्षिहृष्टमष्टकविनामथान । मागववतोअनामहृष्टमान ॥ ७५३ ॥ मागववमाकेहृष्टमष्टविर्दिना । सिध्वावहृष्टकजिवनेया  
अनिना ॥ सवेयोआहृष्टमतिमन्त्रविमादे । कुरुनेहृष्टमष्टकवेसिनादे ॥ अकविनादयहृष्टमष्टमशवनि । सिध्कादेअिनाहृष्टकार्य  
उथाकनि ॥ नेनेअिनेहृष्टमष्टजनकविकि । किनकिनधृष्टितवेकविवेककि ॥ सिध्पिवमवहृष्टिजर्वनेक । केशोअिआयेकेहृष्ट

३७१  
... ॥ कार्यकलादिशासनेन ह्यमान । एते ज्ञानिनेषु काव्यवेदान्तकार ॥ ७७ ॥ महत्त्वमिदं विदुः सखि नृकजिवन । अज  
नन्वदिशासि निरि कनिन ऊन ॥ ७७२ ॥ सदा वेमासु वसि नृकजिवन । सवेसासु चासि नृकजिवन ॥ केहेसायन सुकेहे जनेथा  
दिहे । अत एव जनि कविके तो उतिन ठिकरे ॥ केहेकेहे जने कतो मं बुडासय । केहेकेहे आनि मं बुडासय ॥ साकेसाके  
साविदेमानिक सु । ह्युदिवि वृष्टयुध वि कतो होना ह्यु ॥ • इति सवतन ह्यम सुदान वव । देवि सासु चासि नृकजिवन ॥  
इतमे निचासि वि नृकजान । इह ह्यु वसि नाग्यादि वासि नृकजने ॥ ७७४ ॥ इह ज्ञान वृक अनामिक जिवन । अर्द्धक देवि याक  
इति सवतन ह्यम सुदान वव । देवि सासु चासि नृकजिवन ॥  
सवेकासि सन कजा कविना आसा । काको गने वा वि आनि मं बुडासय ॥ अर्द्धक आदि कवि वान वव वने । अदिन  
सुवृक आसि ह्यु स कने ॥ सुवि यो अर्द्धक मं बुडासय । सासु सिता गोसा नि वस वेक थाक हो ॥ विनियो नो वव ह्यन न आद आध  
जा । जने कविक नि सासु वि वृक कया ॥ ७७५ ॥ सासु स कने वया के जार्क अथ मनि । सिता म हासासु वि वृक कया ॥ किने वृक कया

उग्रवदनम ॥ ३३ ॥ कनेत्रिउर्गेनाकसिमहाविते । उग्रवदनमेश्वरामिनाजावजिते ॥ माहनवाभवंशामिमायथाबाधिता । नक्राश्री  
भवन्वाश्रिकायकसाधिता ॥ वामवभासकजायंश्रुतिथालामानि । तामन्वचवनेमण्डंथामावमेनानि ॥ जिगश्वानुवाप्रथदिजार्दिना  
क । उग्रदिनेरेमण्डंश्रुतिथालामानि ॥ नक्राश्रीकजायंश्रुतिथालामानि । उग्रदिनेनेमण्डंश्रुतिथालामानि ॥ ३४१ ॥ नक्राकलाउग्रवाश्र  
माश्रुनिहितास । वाश्रुमाथवक्रुश्रुतिथालामानि ॥ कलाह  
३४८ ॥ गोथेकसमिथवाश्रुमन्वथामाव । वामलनासागदुतकेने • हेवमाव ॥ उग्रवागदुतकावजितवाभवने । तिरिदिनासागदु  
उग्रवेककाने ॥ जिगश्ववचनचयुक्रमण्डंश्रुति । जिगकश्रुतयवानिभुनिनाश्रुति ॥ अश्रुश्रुतिवाश्रुतिथालामानि । विनम्रतका  
श्रुतिथालामानि ॥ ३५० ॥ जिगश्रुतिथालामानि । वक्रावाश्रुतिथालामानि । देविवनयन्वजनश्रुतिथालामानि  
माश्रुतिथालामानि ॥ नक्राश्रुतिथालामानि । ऊनकविषुवद्वंश्रुतिथालामानि ॥ श्रुतिथालामानि ॥ ३५१ ॥

ननाई ॥ नदीप्रविह्वमले उतुहतास । सागवमाककनासिकविनशुकास ॥ आकासवकानिविदेअनिलेतेहित । सुत्थेह्विकिअगविके  
अनह्वुतेहित ॥ अनिह्वमले उकौकववगाईना । वत्थेह्विकितथनेअगनिवमाईना ॥ सुत्थेवनाह्वमलेउचिनअथास ॥ नदीकठाहिया  
दिकेउनिनशुहास ॥ श्रीवामवचनककविनमक्राव । केसविवउकअवापिनावावेवाव ॥ नदीप्रविह्वमलेह्विकितमान । माधवेउनि  
नश्रीवामवचनाने ॥ ७४० ॥ उजाविवाह्वमईवाहिनोहेउाहि । नउकठाह्वेअनकविनोहेनाहि ॥ नदीकदह्वेअमईकोनाठाहि  
॥ नउकठाह्वेअनकविनोहेनाहि ॥ एवेअजाविनोहि  
मईकान्अदियामाया । ब्रह्मिउवेवाअयअगनिकासकवा ॥ ७४१ ॥ ह्वमलेअनिकशुनिनामनेमन । उरुनवानदजातिआतिअछेउन ॥ सा  
त्रिकितादेविकदह्विवदिकिक । आअनियोसितायेदह्वेअगनिक ॥ एह्विनिह्वमलेमनेअवगाई । उिउमिवह्वेकआसोसोआनिकठाई  
एकोकानेअगनि — येनकविवचन । नेअनेनेउथाजितामिवह्वेमन ॥ ७४४ ॥ नदीप्रविह्वमलेकविनशुठन । देसकजाईवाकनासि

दुष्टैश्चैत्रकान्तुगनागनिकवि ॥ अरुनात्तुर्दियाद्याभुवतिनादि । जतकमहितजककहितनाथादि ॥ ७२ ॥ अथचिनकैहयवथ  
 विह्रमप्र । अडनकाडनकविवाडुठोगासेवहृत् ॥ ईकनदवागिहृत्तिहोवाप्रविमत् । अिवागिहृत्तवदथाकाजेवमिठवे ॥ नकाहृद  
 अथनेत्रिसवमादाकृति । जितावथागतमेयाकडुहनेवमि ॥ हाहृकविवोनेजितामराप्रानमथि । तोमाहृजमदकानतालेथाठोदेमि  
 तामावदानवमकेअवेवन्दिगाईना । नाहृत्तुअगनिदिथानावि हृवाईना ॥ अहृत्तुममानहृयाभायविदारह । उयदिथाठवितप्रवा  
 जावधोनियव ॥ ७३ ॥ धोनियहृत्तुविलाकिलवहाई । सवेनक अदिजाहृत्तुमप्रहृत्तुहृत् ॥ ठानेठानेठयथादिहृत्तुनानकाह ।  
 सवेनकितोअहृयअगनिथकाकाव ॥ डनअहृत्तुगतवडनकैहृत्तुवादि ना । निजेककविथानकैनागविहृत्तुना ॥ नकाप्रविहृत्तुमप्रहृत्तु  
 विनप्रहृत्तु । उतगाठेप्रविनावाजावअप्रहृत्तुव ॥ ७४ ॥ अहृत्तुहृत्तुमनिमानिकथायाने । विप्रकार्मप्रवक्रेनिमिनाठिवकाले ॥ अर  
 क्रेमेगाविनानामियाप्रहृत्तुहृत् ॥ दहृत्तुहृत्तुवोनेप्रविनप्रहृत्तुमप्रहृत्तु ॥ हेनअनिमिगाठेनाप्रहृत्तुमप्रहृत्तु । साथाउनिठहृत्तुमप्रविवाहृत्तुम ॥  
 उहृत्तु ॥ कलाकनेकथाकहिसवमानहित । आसिमयमनवहृत्तुहृत्तुहृत्तुहृत्तु ॥ साहवेयाठिनामितामप्रहृत्तुमकठई । उमिसमप्रहृत्तुमप्रहृत्तुम

७३





किब्रिता । अथात्रकथायायनताप्रनासिता ॥ तामावदानवतर्कितवेवनिष्ठाहना । नात्रुत्तममनिदिशानमविहृताहना ॥ हेनम  
निमोमानिहजनिर्गेनामोक । हृजमकिकलागिननिनाहामोक ॥ श्रामिमोहवाडाकमाहृत्तिवकाल । तानेदिनेकविधिमा  
होवकमाने ॥ ७१८ ॥ अनामोअगनिदेववडुतद्रसथा । इममप्रमोहप्रदप्रहाथा ॥ जवेमहेनजानोहृषीवास्तुमदे । जित्त  
मयाकहृमप्रमसविते ॥ अगनिकमिगानेविडुतिकवित्तु । नम  
वृथानामोकवहिनमहृत् ॥ ७२० ॥ जिगहृथप्रानेहृथकनमहृत्  
ककनेवव । अनामेहृकविडुतिउठाहनागनव ॥ कविमिवाग  
कमोहमनवामवठवने । वानावामवामउतमउजानजने ॥ ७२१ ॥ नानडि ॥ अनवमिवितेः सविहृवडाहना । उरुकनार्किलगवि । अरनम  
उयकवित्तुः कताहवेमथागवि ॥ आथवेथेगेयाः सोनाहृप्रुकः इहृशतेनेनडुगावि । वाकसवगकः अदिनाहृशार्हः अना  
इमवेनवडि ॥ नवडानवडिः कविमिवाहृत्तुः इवठकतागवित्तु । एकउयदिथाः विवहृममत्तुः वनिअठठविना ॥ वनिअठठः वनिहृममत्तुः

अथानिनिना । अथसायउडाविउअनेठनिसेना ॥ त्रियोवहनिथाजेवेनाउउमेडाईना । एकोमउवानवाकवउत्रजिविता ॥ क  
उजाउउडावियेवुनिनावजाक । अइसकनववउनाठिनाईहक ॥ बाजावोनेउडाविवानवावनिआव । वउकाडिआनसेथाजानकि  
सुउव ॥ ७०॥ सहूवाकसिउउआठवकाकवि । उासआववउआनआनआनकवि ॥ त्रिाववउनेउउनिहवमउ । मनउविआदेकणि  
अवामविमउ ॥ अवनउउनयआअनमनेजानि । दिअननाउक उनिउईईथेनाआनि ॥ उाईनआकउठिनाउउवामआकउना  
उनउाकउनाउउआठिवउउना ॥ जनेउनेवउअउकउि नः अगनिलगाथाहवमउकउनिना ॥ उानउडिअनउवाकि  
नाहउकवि ॥ नगविहूवाईउाईनेनाकाक्रेधवि । अनअून नऊउना गिनाकोनाहन ॥ उयानमेनकेवेडिकवेहउा  
न ॥ हाकउेनसवउकनिलक्रीहउि । सवेमिनिठायवानवावनाउउअडि ॥ ७०४॥ वाकसवमाकेकणिवनिक्रयाजउ । आप्रनावमन  
उआअनिअनिकु ॥ वाकसजनकमइउिकनेमावि । वामनअनवसमिअकजाईउआवि ॥ आनवामप्रविवाहउहइवोजअने ।  
इअनउहायाउमिकविवाहसम ॥ उवेमेनकआसिवावहनहये । मनेमनेआनोउउअवनवआय ॥ अशियासवमालनजान

৩০০ ॥ শ্রীমৎ ৩০ ॥ বাক্রগনোককআদেসিনেকবাবন । আককবিমোবভ্যাবববব্বথান ॥ বানবাবনভ্যাববাক্রিযাভানি  
 ঠানি ॥ বজাববভলভ্যাবববব্বথানি ॥ কাণ্যাবনোজাভসবভলভলাক্রয় ॥ শ্রবশ্রবমাক্রিতাক্রিনবভায় ॥ অকাইশকাই  
 নাক্রবভাইব্রমভ ॥ ক্রব্রলাগিনগাহবনাইব্র ॥ কভজোভকবিগাক্রভ্যাবিবোলয় ॥ ভ্যাববভলভব্রসবভলভলাক্রয় ॥ বজা  
 বানেভ্যাবিকশ্রবলভ্যাব্র ॥ মনোদবিগ্যানকসহবেঠনিজ  
 ৩০১ ৩কআনআনকবি ॥ ৪০৪ ॥ ছেনশ্রনিভ্যাবিথোনাথাকিলাব  
 উজাভহ ॥ আইসভশ্রবিহ্নিনমিনেকমাথ ॥ নভ্যাব্রনাথ্য  
 জশ্রদিসহভ্রআইকশ্রিকআইলা ॥ ইভজিতবাক্রিআনিবজাতজাশ্রাইলা ॥ নাভ্যভ্রাইদিবেআদেসিনেনক্রিশ্রব ॥ ভ্যাবববভ্রক  
 শ্রভলানিব্রভ ॥ মনোদবিবোলেকিনোমিলিনশ্রকজ ॥ এবেসেজানিলোচনহেবেলক্রাবজ ॥ ৩০৭ ॥ এবাজেবেভ্রমইদিযানগহাভ  
 বাজাববেলাক্রকভশ্রকজসগাভে ॥ বজাশ্রভশ্রবিহ্নেনমনেশ্রনিঠাইলা ॥ আনআনকবিগাবেকাশ্রভআনাইলা ॥ ব্রথানিভ্যাবিবদ্র

হ ॥ সইশ্রকশ্রাবভেভ্রমোক্রকভেইবি ॥ সবাছাবেভ্রক  
 ই ॥ শ্রভেনশ্রভ্রসিসিভ্রশ্রবেসিনাগেই ॥ কভজাভেভ্যাবিক্র  
 ইওমিভেনাশ্রশ্রভ ॥ জামাব্রগ্যানকসহইনেকনাক্রিশ্রব ॥

... ॥ उतिक्रमैतकः कनाइवेकसावोः वामहाउधविहृन्ति ॥ ५७ कवाकसेः मोककोवाययः तोहोववर्षकडाये । उइआजिनेः  
२ः आयकमदसः इतिहोकमोहसाये ॥ ५८ जनासमानः कोधकविबोनेः वानहाककबुडु ॥ मोहोवआगतः उतिक्रमैतकः काटिकवाअउअउ  
॥ अयजातिहयाः मोकविउतयः अयमआतिवर्षव । कहिवाअहृः आवकिवाठासः आनेअउअनिधव ॥ ५९ ॥ हेनवानिअनिः विष्कडकः वि  
त्रिमानेठानिगाय । कतवकवाहोः हदानकेअवः इतोकोधवाहवा य ॥ ६० ॥ अयसहृतः आअनिअउतिः धअकअडियकिक । कोननोसा  
अजेः देत्रियाआठाहः इतवजाआनाडिक ॥ ६१ ॥ कोहेनअनयः उनय वोनयः इतवहेननेनय । आनाडिककेनेः इतकदाठितामिठारा  
निनोदानय ॥ माआअडिआरुः ठिवनकविथोः आनेदियोकानि हन । इतवजाडिजेः आनाडिकनाहोः गायकवाकिहोअन ॥ ६२ ॥  
उवहनः बुनिनिहृसाईः अडिअमावडाई । कोधववेअतः इतकदडियाः कोनअअजसमाई ॥ ६३ ॥ कमनअरुतः अूनकविबोहोः कोनहयेवउवउ ।  
जोगाठेअहृनेः आईवेअअमानः इतवदेत्रियाहृ ॥ ६४ ॥ ॥ वानवजातिवः नाअमेजोअनः सवेसविबवेअन । आमातआवेसेः अरुदि  
हाजिनः अहृअविनाईन ॥ ६५ ॥ जोगाठेईहकः इतअहृनेकः तावअतिहनअडक । वामकोनअनः अरुदेअकः हेरुआओडाअयाजडक ॥

ब्रह्मज्ञानः प्रथमः । वामहस्तं हस्तं च ब्रह्मणो ब्रह्मणः ॥ शिवनामकचमकनशाहेनामहावनि । वामहस्तं हस्तं च ब्रह्मणो ब्रह्मणः ॥ श्रीवामहस्तं हस्तं च ब्रह्मणो ब्रह्मणः ॥  
 दाहदेव्यावन । जानिब्रजावायवहस्तं हस्तं च ॥ अहमजतनेनित्तं हस्तं च ॥ अवनकीर्तनमात्रकविशोक्त ॥ एतकेसंसावतास्तवि  
 याहस्रथे । अतस्तुकसातकडाकियामवोनास्रथे ॥ ४७० ॥ १३३ ॥ दोलडि ॥ इविमवदनेः मातेह्रमः हस्तं च ब्रह्मणो ब्रह्मणः । नक्षत्रं च  
 तिः उर्जाश्रयः साक्षिभ्यश्च यजना ॥ उानवोनक्षत्रेः वसत्रिा द्रियः हितकदेवसमन् । सुश्रुतं हस्तं च ब्रह्मणो ब्रह्मणः । प्रविब्रह्महस्तं च ब्रह्मणो ब्रह्मणः ॥  
 हिवेकरुः मोहो वसमान्तात्रकवानः कला मोहावनिचाव । वामहस्तादनेः सिताकत्रो जयः सातोसागवहस्ताव ॥ हेनयवाम  
 कः हसनकवसः कर्त्तक्यैतोव्याह । वामवार्थाकः सिताकहविनि जमवार्त्कदिनिधाव ॥ जगत्तवद्रोहः आचरियास्रथेः नक्षत्रं च  
 नित्राने । सिताकहविशः एवसेनसिनिः अहितकताककाने ॥ समस्तवार्त्तः क्रनवशाक्षिः उर्त्तनिश्वायोगामि । एति क्रनेताकः मावि  
 नक्षत्रं च ब्रह्मणो ब्रह्मणः ॥ ४७० ॥ साक्षिचोत्तः साक्षियावायवेः कविशाचे अक्षि काव । मोहो वार्थावः वैशकनिहयः मशसेचिधि  
 नक्षत्रं च ब्रह्मणो ब्रह्मणः ॥ ४७० ॥ साक्षिचोत्तः साक्षियावायवेः कविशाचे अक्षि काव । मोहो वार्थावः वैशकनिहयः मशसेचिधि  
 नक्षत्रं च ब्रह्मणो ब्रह्मणः ॥ ४७० ॥ साक्षिचोत्तः साक्षियावायवेः कविशाचे अक्षि काव । मोहो वार्थावः वैशकनिहयः मशसेचिधि

ह्यत्रिभ्यश्चात्तल्लोत्राकसाम् । सिकारवनेभ्यामावदक्यप्रसदाइ ॥ आश्रनावश्रानवक्रानश्रवेकावने । वाक्रुसन्नकमईभाविनोहोहने ॥ क्र  
मावकमाविवावन्नह्रिदागोक । सास्त्रेविहित्राचयश्रुतिमवलोक ॥ एकोयेश्रकावेजेवेउडाईतनाशादि । असाताईर्त्तनेशास्त्रासनकमादि  
४८०॥ अहश्चेवोनयतोवकश्रात्रहिमोत्रा । जतककहिनिमानेजवोतावमिहा ॥ एअनस्रकुकहअवोववानव । श्रानश्रानिवक्राकवमिहा  
उनमव ॥ साकृतिवोनप्रश्रनाकश्रावप्रश्रुत । जस्रुदिमहश्चेअईनोवावववह्र ॥ सिताकनेत्रिनास्रस्रुतर्त्तनोशाव । अह्रुसवचनवाजाकहिना  
श्राव ॥ वानिवजाश्राचिनतामावमहाईश्र । वानववयजातानेस्र • श्रुश्रुकनिश्र ॥ ताहश्चेसनेजकश्रासहईनातामाक । सकलेकहि  
वोकस्रुसातिश्रनताक ॥ ४८१॥ अवक्षह्रययविववामह्रुजानि । मात श्रुनिजितादेविममार्त्तिशोश्रानि ॥ आश्राववचनेसिअेकविशो  
श्रवन्न । तवेसेजानिवानिश्रुवक्राश्रवेकन्न ॥ एतेकवचनश्रानिवृश्रुतिदावन । श्राधकविवालेअवेस्रनश्रुतजन ॥ सवेवानवाककिनश्रुदिया  
साक । कोटिकोटीदाईनाश्रुतिवश्रनिवाक ॥ गनास्रदगवेकोवावयश्रिष्टिगाने । श्रुविहेकोवायेकजाचयवयश्राने ॥ वाक्रुसवलोककज  
श्रववनेश्र । ह्रमश्रुकगठेकस्रुकेश्रुकेश्रु ॥ ४८१॥ श्रनाश्रावामश्रुतासदलोकज । वामवस्रवावदेअश्रवममह्र ॥ तेलोककमनजिजा

নাইথেয়া ॥ ৪৭- ॥ বাকসবকাহে কসিহিনিনয়াজা ॥ মাথাডনিদিহসতাথাননেখিনশ ॥ সতাহমাকতবসিদিযসিহাসনে ॥ চতুতিতিব  
 ডিআছেসামসিগনে ॥ অহুসনিহুসমহাশাশমহাদে ॥ অখিকবেডিজনচাবিযোশাজহ ॥ আনেজতবিষমনআচেগাঠা ॥ অহুসস  
 হবিযাহহুসবসাজে ॥ হেনচমকেবিবসিআচেনকৈহু ॥ নসসিবকডিবাঙ্গনেখিতয়কৈ ॥ মাকুতিদেখিনাআতিগহয়বিস্ময় ॥ আনে  
 গাহাবনাকাকোপ্রযনকবয় ॥ ৪৮ ॥ আকসমপ্রখিবজানাইবা ॥ সনে ॥ সিতাকহুসিনেআককোনবিহিচনে ॥ অহুসসিহিনিনাক  
 বসাবিবাধিনেলা ॥ রাজাবআমতনিযাসিহিগাইথেনা ॥ হুসিবা ॥ নবকদেখিনশনকৈহু ॥ অহুসকবোনেগোচুকোহেববানহ ॥  
 নিচানহুসিবিভাবকিচোনাইহু ॥ তোকমাবিআমাবকমনজসম ॥ হিবা ॥ অহুসকহিনেতোকমেনিযাগহুহো ॥ রাজাববিসিষআ  
 উত্তমবন ॥ অসোকাবনিকাকেনেকবিনিহিচর ॥ কোনবাগহানেতোকআইনিকিকাবনে ॥ ইপ্রবচবিযাগহুইনশনাবায়নে ॥ কিবজ  
 মতাইহুসিকিবািনকবে ॥ কিবাআইআইনিনকীহুতিবে ॥ হুমপ্রবোনেঅনিযোআহবানি ॥ নকীহাখদিখিযাকআসিনোআশুনি ॥  
 হুসনশনইনশনইনাবায়নে ॥ বাসহুইনমোকজানকানকান ॥ জহইদিনকবেগহুইনশাকনে ॥ হুসববানবজাতিআসিনোআশুনি ॥ বাজা



निर्दिष्टं कविश्रीशुविनामुसि ॥ ४३७ ॥ वन्दनकलेयाकशिष्टनेमनमन ॥ ठादियेजाउतकविश्रानिन्ऊन ॥ मयशान्तिनोनिउकथाई  
दिलेवाति । वरुअश्रुवादिमोकथाईनेकशिथाति ॥ दान्छुडाईवाकशादोअश्रुवावने ॥ लकीअननेथोशेयावन्नवठने ॥ हदमवद  
उभवभुतिनेनेके । आछिहृश्रुमेकिकविवेसावनेमार्क ॥ ह्रमषुवदकिईहजितजानि । आश्रनिसेनाकतिकवादिनष्टनी ॥ शक्रम  
लाककवानेआवकिवाछाह ॥ स्मार्तशान्तिवादिनियावजाउजे । आह ॥ इन्द्रजितवाचअनिवाकमहाने । इन्द्रकविशान्तिवादिवा  
त्रिउतिकने ॥ नेत्रिनावानवदथ्छेनठेना । इन्द्रजितहृदि । नेहजावजासेनेना ॥ ४३७ ॥ शक्रतिकनेशियावाकनेकोई  
कवि । शार्वकिनशुक्रहयउहताजानि ॥ नाश्रिक्रुमावैकताकर्वेसिउसिबि । मयाजेनह्रमषुआछेनउति ॥ केहवोनेवानवामावि  
नेमोसुताई । केहवोनेमाविलेकथोउतमोमाई ॥ केवशवान्तिनेकनकीववदिशुद्ध । एद्विनिश्रुविदेकोवायेआसिमुषु ॥  
वनाशाश्रिनाथानोठयाथेया । शान्तिवादिवादिशक्रुतुनिनेया ॥ वहषुवहषुश्रुजाहतामनठेना । कताइवनिथाआछेसिबि



का मवेहानिमथनादेकादिनेकक ॥ आकासतथोवहाहकविलेकद्वे ॥ इन्द्रजित्वातेथक आकासमवर् ॥ मोहाकेउर्नाईनेवन  
आनकोनेथाके । नक्रौतनाहिकेविषहवात्राईहाके ॥ ४४५ ॥ आनेतेउद्यानमोवठरकविलेक । मन्तुअनभुकिनाविषभकषेक ॥ ५५५  
अनभुआकविलेअहाव । अनभुआनिविचिनसविउडाव ॥ काठनभूठनमवअहाविलेउत । अनभुआनिविचिनईहावआयउ ॥ किनाना  
अवकाकविउक्रादिनावव । किठाकोनायावेअविउउउमव । जि अवनिकवोआकमासननाजाई ॥ म्हुवनवावेदिनअकवहाया  
२ । अथमवोअउजेवेनेदयआअधि ॥ आधियाडिगेनेगाठह ॥ येवुदि ॥ बाकसववठनकवानवआठेहानि । नाअभासहानिमो  
कहिवेकवनि ॥ वनिकविद्याकविवेकवउउउ । वजावआमकनियाक विवेकउउ ॥ ४५० ॥ हानिनेअक्रावअमहववआयउ । वानगविठि  
उतेनाहवसविउउ ॥ वक्रादेवेकविआठेआमावउछिहास । दनाईआजिवात्रिवोवानवाकेकजास ॥ छनिगेनाईइन्द्रजित्वावक्रावगासक । हे  
वठानकोअमोहकविलेकिमक ॥ वक्रननाजाईजेकिमवनाअभास । हेनअनिवक्रादेवेउनिनउहास ॥ मनेमनेअनभुअसजठेनाकज । क  
जिवनिनठेनेमोहावेगेनज ॥ अवनभूठनयअवअहमल । वामहउक्रयाजोनकाकथाजिनथ ॥ जिठकदेअिनाकार्यकविलेविलेस ॥ वनिठनेद

मह ॥ ४७१ ॥ अवेष्टो न उ वि या हा क्रु व स व सा जे । अत का म व र म य म व य ह ह्रु जे ॥ इन्द्र जित वि व र्ण य आ व स व न त । मा कृ तिक द ति ना ता व न उ म व  
३ ॥ ता व न उ व सि या हा ह्रु व ने घ ने । इ वि स व द ने श्रु त श्रु ति वा क म ने ॥ ह ने द ति इन्द्र जित आ वे ज नि र्ज ना । व च न श्रु त श्रु त क म र्जि वा क ने न ॥ को  
ह्रु व न उ व र्ण य आ जित नि न र्ज ना । वा व न व र्ण य क ता हो व ना इ म र्जि ॥ ज हा व र्ण य आ जित व र्ण य ने उ य इ त । ता व क न उ क र्ण य आ जित नो इन्द्र जित ॥  
४४० ॥ उ ग्रा न उ र्जि या म वे सि ना क मा वि नि । मो ह र्ण य इ क मा वि या ज स क क र्ण य इ नि ॥ उ मू मा नि वि व क मा वि नि सा जे आ गे । मो ह र्ण य इ क र्ण य  
इ इ र्जि वि ता व वा ल ॥ क र्ण य क र्ण य न वा का ह्रु ता व स ह । आ र्जि म र्जि इ र्जि आ जित आ नि त क म ह ॥ मो ह र्ण य इ क र्ण य ता क वा श्रि वे क को  
ने । न र्ण य इ वि र्ण य इ ता ज म व क व ने ॥ को ल ह र्ण य इन्द्र जित क वा न उ । ग र्ण य क वि वि ता को क वि वा हो ह्रु ॥ उ म व र्ण य आ ठ म वा ह न  
म र्जि व र्ण य । ग र्ण य क र्ण य नो क र्ण य म ह्रु ॥ ४४१ ॥ क र्ण य व र्ण य ने को र्ण य नि र्ज ना ह्रु । मा कृ तिक वे ति नि ना उ म व र्ण य ह्रु ॥ वा व न उ व र्ण य क र्ण य  
न य व । इन्द्र जित इन्द्र जित वि र्ण य ने न उ क र्ण य न । इन्द्र जित ह नि ने क र्ण य क नि य न ॥ इ ना इ मा कृ वि श्रु हा वि ना उ र्ण य

५७०

नमोऽस्मिन्मन्त्रिणा ॥ क्रमात्तद्वदन्तु राजानि रत्नानि ॥ वाचनं च प्रतिवर्षं तन्नामोकादिषु ॥ छनिशासत्रिणा राजानि श्रुत्वा न ह्ये ॥ इत्यत्र निवाजा  
शक्तिनामकं ॥ किं कर्म निश्चयेन न न ह्यिह ॥ अनिकेन मते जिये माये मनादि ॥ ४० ॥ अत्र ईक जिनि वा प्रजस वरुणा इनि । वानवत्ता  
उच्यते नान ह्युक्ता इनि ॥ माये वेदमस्मिन् मोहो बहाने वाय ॥ अजि वरि ॥ अचिन अयुक्ता क्रिनाम ॥ इत्याह अत्रि मदे अयुक्ता मोके  
इति अत्रि बोधमनादिके मोहोके ॥ उच्यते न सोदि सोदे अ ॥ अत्रिकाव । ताव सोकमाने न ह्ये जय अमाव ॥ ४१ ॥ केवात्रा  
नक्ति अत्रि आनन अमाव । माहे मोहो यव मे वा कडकाव ॥ ४२ ॥ अत्रिकाव । ताव सोकमाने न ह्ये जय अमाव ॥ ४३ ॥ केवात्रा  
न ॥ ताव अत्रि आनन अमाव । माहे मोहो यव मे वा कडकाव ॥ ४४ ॥ अत्रिकाव । ताव सोकमाने न ह्ये जय अमाव ॥ ४५ ॥ केवात्रा  
त्राव ॥ ताव अत्रि आनन अमाव । माहे मोहो यव मे वा कडकाव ॥ ४६ ॥ अत्रिकाव । ताव सोकमाने न ह्ये जय अमाव ॥ ४७ ॥ केवात्रा  
यात्रामाके ॥ ४८ ॥ ताव अत्रि आनन अमाव । माहे मोहो यव मे वा कडकाव ॥ ४९ ॥ अत्रिकाव । ताव सोकमाने न ह्ये जय अमाव ॥ ५० ॥ केवात्रा  
इति वावसाव ॥ इति काव अत्रि आनन अमाव । माहे मोहो यव मे वा कडकाव ॥ ५१ ॥ अत्रिकाव । ताव सोकमाने न ह्ये जय अमाव ॥ ५२ ॥ केवात्रा

ने । उक्तान्याचवाहनेक... ॥ ३२ ॥ इति... ॥ अथ... ॥  
नाम... ॥ इति... ॥ अथ... ॥  
नि... ॥ ३३ ॥ मे... ॥ नि... ॥  
ना... ॥ कि... ॥ इति... ॥  
वि... ॥ अथ... ॥ इति... ॥  
॥ अथ... ॥ इति... ॥  
इति... ॥ अथ... ॥ इति... ॥  
अथ... ॥ इति... ॥ अथ... ॥  
अथ... ॥ इति... ॥ अथ... ॥

...कविः । राजशृंगसहितोऽस्युक्तकोशविः । इहहातकोवकर्वसाईनावड्यार ॥ एक वावैदयाविवमविर्जेनाश्राने । आरुमेनाश्रतिव  
...कविश्यामाश्रुति ॥ आरुमेनामाविलश्रुतिविश्रुति ॥ इति कश्चित्पथविश्रागडिमाविन । श्रोतेश्वावेवाकातवाकातसहिविन ॥ नोनि  
...वहानानदिसमवुमि ॥ अशयजेवनश्रुतिदेविश्रुति ॥ इति सवधुदिसथेडजाईसि । तान्तवद्विदिवेदुनिलुहसि ॥ आरु  
...नाश्रतिवश्रुतिश्रुतिश्रुति ॥ अशयक्रमवकवाकाकविनाश्रानेस ॥ जाकजाकश्रुतिश्रुतिश्रुतिश्रुति । वानवाक ... वात्रिवाश्र  
...नाश्रुतिश्रुति ॥ विमविशिथानेककविनाश्रुतिश्रुति । वानवाकश्रुति ॥ काश्रुतिश्रुतिश्रुतिश्रुति ॥ ४५५ ॥ उमितोक्रमवतिनिर्देनोश्रुतिश्रुति  
... । धविश्रुतिश्रुतिश्रुतिश्रुतिश्रुति ॥ तान्वाश्रुतिश्रुतिश्रुतिश्रुतिश्रुति । सश्रुतिश्रुतिश्रुतिश्रुतिश्रुति ॥ उश्रुतिश्रुतिश्रुतिश्रुतिश्रुति  
... । इति सवधुदिसथेडजाईसि । तान्तवद्विदिवेदुनिलुहसि ॥ आरुमेनाश्रुतिश्रुतिश्रुतिश्रुतिश्रुति । वानवाकश्रुतिश्रुतिश्रुतिश्रुति  
... । अशयक्रमवकवाकाकविनाश्रानेस ॥ जाकजाकश्रुतिश्रुतिश्रुतिश्रुति । वानवाकश्रुतिश्रुतिश्रुतिश्रुति । काश्रुतिश्रुतिश्रुतिश्रुतिश्रुति ॥ ४५५ ॥ उमितोक्रमवतिनिर्देनोश्रुतिश्रुति

॥ १०४ ॥ आरुविदेगेयावानशकवदिकवा । आरुमोवसविववर्जेनकुडुहाहा ॥ आनेसकवि  
 नाजेवहाससववाजे । समवकचनिनाप्रुहितसहसाजे ॥ आरुमहावथिप्रवेजिनासवु । शकतिकनेथिनाताकुडुवावु ॥ तिकुणावुस  
 बनेयाहनुविमविदे । टानकविविद्विनेकहनुवसविदे ॥ सवहायहनुमथुजाधववथाईना । अरुतसमानकविसविववुईना ॥ १०५ ॥ आरु  
 सकुदियाकजिसगनेठविना । सिप्रवेगधविगेयावथुअडिना ॥ वथधनुसावथियेहनुविमविदे । हुराकुकवितेकसविवववने ॥  
 ३१६ कुठकथाठिनतावहाहनुमथाव । हुराकुकथार्जेनानेनेथिनाथाव ॥ ॥ हनुविमथविनातथसथुसासथाईना । इथाकुकविकुणाकुरये  
 विदेथाईना ॥ १०६ ॥ तावन्थथाठेहनुमथुकथाकनि । मसवसथन हानिनेकथकेवनि ॥ हियथथविनगेयामसवसथन । कुमिथथ  
 विनहनुमथुमहावन ॥ थुनथुवसानवकनेनकुडुथावि । इइहानमाथुवसाईनेकथकवाडि ॥ एकवावथुहावेइहानोअथुठना । नेथिथा  
 अथुसवाकसजनिगेना ॥ आरुकरेवुथनेकुप्रवसेमथिजे । वानहाकसानिहयाहनुमथुहविसे ॥ आरुकरिकिठयाठुमनथुनिनेना ।  
 आरुमावेकविमथुतिकथेदिगेना ॥ १०७ ॥ कुविदेमवनमथुनेथिथुनेडिउ । अथुतकानवजेनथादिथुदिउ ॥ सवहायथाकुठियाको



नमोऽसि अश्विनैकशतवर्षे ॥ ७७८ ॥ माथासवभूतं हसं हसं च । कालमेव न जनद्वारं सवव ॥ सकलमश्विनैकशतवर्षे ॥  
३-१ अश्विनैकशतवर्षे ॥ कथं हने अश्विनैकशतवर्षे ॥ आकाशकं हने अश्विनैकशतवर्षे ॥ काश्विनैकशतवर्षे ॥  
२-१ अश्विनैकशतवर्षे ॥ सेनामाथे माथे अश्विनैकशतवर्षे ॥ हस्तिहस्ते अश्विनैकशतवर्षे ॥ अश्विनैकशतवर्षे ॥  
३-२ अश्विनैकशतवर्षे ॥ कालमेव न जनद्वारं सवव ॥ कालमेव न जनद्वारं सवव ॥ कालमेव न जनद्वारं सवव ॥  
४-१ अश्विनैकशतवर्षे ॥ कालमेव न जनद्वारं सवव ॥ कालमेव न जनद्वारं सवव ॥ कालमेव न जनद्वारं सवव ॥  
५-१ अश्विनैकशतवर्षे ॥ कालमेव न जनद्वारं सवव ॥ कालमेव न जनद्वारं सवव ॥ कालमेव न जनद्वारं सवव ॥  
६-१ अश्विनैकशतवर्षे ॥ कालमेव न जनद्वारं सवव ॥ कालमेव न जनद्वारं सवव ॥ कालमेव न जनद्वारं सवव ॥  
७-१ अश्विनैकशतवर्षे ॥ कालमेव न जनद्वारं सवव ॥ कालमेव न जनद्वारं सवव ॥ कालमेव न जनद्वारं सवव ॥  
८-१ अश्विनैकशतवर्षे ॥ कालमेव न जनद्वारं सवव ॥ कालमेव न जनद्वारं सवव ॥ कालमेव न जनद्वारं सवव ॥

निधानि । अरुच्ये वदनकणनाहनावधानि ॥ इति वेषवदनमृतदेविदेविदिङ्ग । इतकहविसेह्वमशुदिनादिङ्ग ॥ उनहह्वमानेदससवेथेना  
नानि । हेनदेविह्वमशुहासेअनधानि ॥ अजिजिजियसमाहोवसह्वत् । आनेजेनधममसिनकवेनकीत् ॥ सवधाय्याह्वमशुको  
धवज्जनि । अह्वत्कहानिनेकसविकवुनि ॥ जम्मानिदेथेधार्थासवठाने । अह्वत्ककार्ठिनकदसगाठायाने ॥ सिविमिह्वत्तनादेवि  
आवेह्वमशु । अयुक्कवमानह्वत्तुगाविनेलशु ॥ अमावठकजेनह्वत्तुह्वत्तुधवि । जम्मानिविह्वत्तुसिह्वत्तुनककवि ॥ ७७० ॥ वृक्तु  
३५७ इह्वत्तुआसेदेविनिगाठवे । सिथोवृक्तुकार्ठिनकदाकनह्वत्तुस • वे ॥ वाह्वत्तुविह्वत्तुनेनिजिउदसवाने । कमानाठकगाठायि  
नासकाने ॥ ७७१ ॥ सवधाय्याकविथोकोधवठकवि । अदिथेस विह्वत्तुठकवेत्तुनिधवि ॥ इह्वत्तुकोवकवेसाह्वत्तुनाकसिवाजे ।  
जम्मानिविह्वत्तुज्जदयह्वत्तुके ॥ हिह्वत्तुसविनदेसेसविह्वत्तुवठि । अठिह्वत्तुहाह्वत्तुवठानेनाठायि ॥ जह्वत्तुआठिनठायह्वत्तुवठाय  
अह्वत्तुकार्ठिनकनेदेविनेआव ॥ जम्मानिविह्वत्तुजेवह्वत्तुसविन । अनियावावनवठायकोधवठजनिन ॥ मलिअसकनकआदेसकविथा ।  
सवधाय्यावठानेवाकआनिदेविह्वत्तु ॥ आदेसकविनाजेववाह्वत्तुवठाय । वठसमथोवाकह्वत्तुनआनिवठ ॥ मलिअसवठनिठानेवाकवावे

भाग्यसूत्रस्य भाग्यसूत्रस्य भाग्यसूत्रस्य ॥ वेदिकेण शान्तिवाक्येण शान्तिवाक्येण ॥ वृद्धावस्थाने स्यात्तन्निमित्तं ॥ हात्तुनिधिविध्याय सप्तमस्तव ॥  
 अथ सप्तमविध्याय सप्तमविध्याय ॥ वानवकान्देयिकायैवावकविधायिना ॥ प्रथमं समावसायं प्रथमं निलवाक ॥ त्वेह श्रोत्रविध्यादित्येकं प्रथमं वाक ॥  
 शाक्यस्य सप्तमविध्यायैवावकविधायिना ॥ शान्तिवाक्येण शान्तिवाक्येण ॥ अथ सप्तमविध्यायैवावकविधायिना ॥ सप्तमविध्यायैवावकविधायिना ॥  
 नैवावकविधायिना ॥ शान्तिवाक्येण शान्तिवाक्येण ॥ अथ सप्तमविध्यायैवावकविधायिना ॥ सप्तमविध्यायैवावकविधायिना ॥  
 वेदायैवावकविधायिना ॥ शान्तिवाक्येण शान्तिवाक्येण ॥ अथ सप्तमविध्यायैवावकविधायिना ॥ सप्तमविध्यायैवावकविधायिना ॥  
 अनिर्दिष्टं वेदविध्यायैवावकविधायिना ॥ अथ सप्तमविध्यायैवावकविधायिना ॥ शान्तिवाक्येण शान्तिवाक्येण ॥ अथ सप्तमविध्यायैवावकविधायिना ॥  
 इव ॥ विकटं न स न जैन्यायैवावकविधायिना ॥ कान्मेघस्य न देहायैवावकविधायिना ॥ माथायैवावकविधायिना ॥ शान्तिवाक्येण शान्तिवाक्येण ॥  
 न ॥ वृद्धेनियैवावकविधायिना ॥ शान्तिवाक्येण शान्तिवाक्येण ॥ अथ सप्तमविध्यायैवावकविधायिना ॥ सप्तमविध्यायैवावकविधायिना ॥  
 सप्तमविध्यायैवावकविधायिना ॥ शान्तिवाक्येण शान्तिवाक्येण ॥ अथ सप्तमविध्यायैवावकविधायिना ॥ सप्तमविध्यायैवावकविधायिना ॥

उक ॥ ७४१ ॥

●

॥ ७४७ ॥

यकाठमावकविधाईना ॥ जेनाकलेत्रियासहादिहइमथ ॥ अन्तस्तुहूर्गेयाहकेठविलथ ॥ नमहयहृत्तासिछात्तामत्तवे ॥ मथ्वनठमक  
इत्तनिवृत्तवे ॥ ७१ ॥ त्रिभुक्तसतिथावाविनाह्रमथ ॥ सविबदेत्रियाजनठइतसमान ॥ तानसवेतस्तुसिछात्तामथ ॥ इत्तवृत्तने  
कवजावर्धोनिअथ ॥ ७२ ॥ जयतिजयतिशामनममनजयति ॥ अमृत्तजयतिवानबावअविठति ॥ मथ्वानिर्धनोसिठादेत्रियावहृत् ॥ इत्तमथ  
नामेजेनकीहभूमकेतु ॥ इत्तवृत्तिदेदिनाबाकसमहवनि ॥ इत्तमा ॥ अन्तस्त्रियाहृत्तअतअनि ॥ नामजगोठहृत्तवृत्ततावतवसि  
हाकसहजेनाजतमाविलतवसि ॥ इत्तनकजायाकताविलेअकथा ॥ क ॥ सवेमिनिदिनेकहृत्तवृत्तजक ॥ वाकसवसवेत्तदिन  
कहडिन ॥ माहृत्तिवृत्ताठसवेयेत्तदिन ॥ इत्तमथेहृत्तवृत्तनेनत्तवृत्तादि ॥ जेनाहमाकतवसिकोवायवृत्तादि ॥ कावोमृत्तवृत्तहृत्तवृत्त  
नत्तादि ॥ होववनेनेनजममानकलासि ॥ ७३ ॥ कजेकजेअनाईनेनाहृत्तिथनिअने ॥ वाककजनाईनेनाहृत्तवृत्तवृत्ताजे ॥ आनेसि  
नालासहृत्तवृत्तनेनाकथ ॥ वानबावकावनेवाकसनिजियथ ॥ अन्तस्त्रियाहृत्तवृत्तनेनानेहृत्तवृत्त ॥ साजियाहृत्तवृत्तवृत्तनेककिर्कव

कठोवाकसिनिर्वोलेनकवदिडु । शतावनवकनेत्रिडुविलनाडिडु ॥ कुमिसमेकथायथाचिननिवृत्तव । कुमिसिजानाहशताकोलेववन  
३१ ~~नाकठनिवाक~~ आइनामायावाकसुव ॥ हविश्वारिनेकवाकवावनाकशठि । तमिवाजेजानामवेआशुठि श्रुठि ॥ नाशुकावकविला  
जनकविडुजिजा । कठोवाकसिनिर्वोलेनावाववडिजा ॥ आनेसियोमोसाइडुगानलेनाकय । वानववकावनेवाकसनिजियय ॥ वानवकआसिर्वना  
अष्टतथाकाव । असोकावनिकाठनकविलेनामाव ॥ दिशिजवप्रशु विआचिनवडिजाने । ताकोमवप्रतिलेगडवअसमान ॥ तामा  
कुहिलोकविषोकश्रुठिकाव । उग्रदरसहितनाणादिवानवाव ॥ ७ मिहविश्वडिनासेआनिनाइजाक । काशवमकुठिआठमाठिदेडा  
क ॥ ७७७ ॥ जितामोसानिवृत्तसमिधववन । द्रुश्वानवायेताकनकविलेनह्र ॥ कियवाजववकियाह्वकवेवव । जिताकश्रुठिआइनाइ  
वावदह ॥ हेनशुनिस्फाधुजनिनानकेअव । साजियागहैविवअनेककिईव ॥ असंक्रवाकसुजिजेजाहसाजि । वेडिजेयावानवाकवादि  
आनआजि ॥ ७७८ ॥ राजावआनेसेअसंक्रातनिमाह्व । कवधविसकंठिगइअप्रदगह ॥ ठमकवजमनेअसोकावनआइना । वानवकाव



नमो भगवते वासुदेवाय ॥ हनुमानिह्रमन्त्रः नाम्नातिप्रदिशाः असिन्नवाविरचितम् । इतिकवृत्तमिः कृत्यतिवाक्यिथेया  
इति नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७७४ ॥ नहृत्तानहृत्कविः मधुवननासिआक्षुः तान्कान्द्विहृत्सिद्धिम् । सकनहिमधुवनः सुश्रियाद्विजिज्ञया ।  
साक्षुः कवौनकेश्वरः । इत्यामधुवनः सुवसन्धुतममः आनेवेत्तुहिजावाकेनकवि । एहिहनिह्रमन्त्रः इत्युच्यते । इत्येतिदि  
नन्तनामद्वि ॥ एकश्च ह्रस्वश्रुः सामनश्चनकदिनाः कताह्रस्व श्रुत्तुम् । आवाकताह्रमन्त्रः जिज्ञासासानिकदिनाः बाह  
इत्याह्रस्वकति ॥ अक्षिदकआदिकविः इत्यकसिअनआक्षुः एकेन नकविनासन्मान । एकशाह्रहृत्गाठः नामधुत्तुसिद्धिनाः वड  
इत्यविह्रमन्त्र ॥ असोकवनितामानः दावनवश्रुयमानः वडुश्रुत्तुकाकस्ययासाह्रन । आवाकतासिद्धिकविः एनसत्तुसिद्धिः समस्त  
इत्येतिह्रमन्त्रा ॥ अक्षुः सान्निध्यकविः नधुवनवृत्तविवेः हिंसामिसकलिन्श्रुत्तुम् । इत्येवश्रुत्तुमानेः आवावसिद्धिनवातिः इत्य  
मकविनासवेत्तु ॥ इत्युक्तवृत्तविवेयाः इत्युक्तविवेयाह्रनाः इत्युक्तकविलत्तुवन । विद्यकाश्चानिश्चिनन्तः सुवर्त्तमानिकेवनेः इत्युत्तना

Vertical text on the left side of the manuscript, possibly a list or index, written in a smaller script.

श्री गणेशाय नमः  
श्री गणेशाय नमः  
श्री गणेशाय नमः

श्री गणेशाय नमः  
श्री गणेशाय नमः

विष्णुसुक्तिः । अथोक्तं महाभारते ।  
विष्णुसुक्तिः । अथोक्तं महाभारते ।  
प्रसूयन्तु मे भद्रं ।  
वाप्रसूयन्तु मे भद्रं ।







ॐ ॥ जटायुसहिते श्रीशिवलोककवि । त्रिवाहस्यनामिनाकायहृदिविह्वलि ॥ १७ ॥ एतौ ईश्वरलोचनकर्तानिविधाया । एकमन्त्रसु  
 कजो जनजाईतथाहो ॥ इन्द्रमधुसूदायचरथाकनिया । नामातिश्राष्टिनकानसुप्रमानाडिया ॥ इववाजेवान्प्रथकजर्वनाकज  
 निम्वदत्तनामवेसियातिममज ॥ ११ ॥ श्रीजिह्वैरुआवासातकजोकर । मस्यदेत्थामनेत्रनराप्रमन ॥ मवेत्तुतिश्रवत्रमतिदि  
 याग्याक । कामकार्यसाधने जेहेननामोहक ॥ १८ ॥ जाश्वरुषे वोनउजानकथावृश्चन । एतथाकप्रुश्राशिविह्वसमन ॥ ७  
 माकश्रामावागवेनकीकधर्ह । इहाइतथाकियाकावृष्टुश्राई वाहाइ ॥ ७मिनकीशेनेडादिमिनयप्रमाद । श्रामाकडुष्टिवेवा  
 जावचनमश्राद ॥ धवमश्रुसुप्रुमिकमिककठकर । नायठनवना जनविनाकथाहाइ ॥ २० ॥ इववाजेश्राश्रिजानाहावश्राधम  
 तामाकवाश्रिवसवेहेनयोश्रुकर ॥ ७मिथडिजाइवाइवहाउडुधवे । मश्ववइनिकोनेकाववोनकर ॥ २१ ॥ श्रीजिह्वैरुनोडिता  
 जाईवेथकेडयेलकी । निम्वदेत्थामवेनकविवागकी ॥ मरितुतथाईलोविह्वइकोनकडा । वरुयेयईश्राकासवेसियातिममज ॥  
 २२ ॥ ईश्वरजश्वरुकठयानिजयातावा । इडाजानिकावजेठरुवृष्टुयकावा ॥ श्राथावेकमाताजेश्रामाकनडकी । निवेत्तुवावश्राई

श्री

उत्तारतया बोनका ॥ दानेन श्रुतं देविदुःखकोटि । आश्रनात्तु विकृतं श्रुतं ताम्बाव ॥ मातृश्रुतं चाहियावानुत्तारं ॥  
श्रुतानेन श्रुतं कानं श्रुतं जयं ॥ अष्टावेनामातिकारं विद्याठवृत् । अष्टाका कविशोकेन श्रुतिवृत् ॥ १७ ॥ याविद्वं  
श्रुतं हिनतु जाडहृत् । इदं जाडं श्रुतं निमिनं श्रुतं ॥ जाडं वानं कानं श्रुतं श्रुतिवोचुत्तुम् । कोनं जानकं हिवे मोहोत्तु जाडिजम् ॥  
४ ॥ जाडं श्रुतं बोले श्रुतं श्रुतिजसकना । देवश्रुतं श्रुतं श्रुति ॥ ननु श्रुतिकना ॥ तदुत्तु श्रुतिश्रुतं श्रुतिश्रुतं श्रुतं श्रुतं । श्रुतं श्रुतं  
जाडं श्रुतिं विद्वं नाकं श्रुति ॥ मातृश्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं ॥ श्रुतिश्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं ॥ १८ ॥ नानादिनोत्तु श्रुतं  
मनश्रुतिश्रुतं । श्रुतं श्रुतिं श्रुतं श्रुतिं श्रुतिं श्रुतिं श्रुतिं ॥ श्रुतिं श्रुतिं  
न ॥ अश्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं । जाडं श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं ॥ कवजाडं श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं । श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं  
श्रुतं श्रुतिं ॥ आमा श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं । श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं ॥ १९ ॥ दिवश्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं । श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं  
श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं ॥ आश्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं । श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं ॥ २० ॥ श्रुतिं श्रुतिं श्रुतं श्रुतं श्रुतं । श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं श्रुतं

एकनावसुतवावेह्रमान ॥ कर्मविहक्रेषसर्जनलविदि ॥ अजिनेश्विनाविबे आदिउडिदि ॥ ७६ ॥ सिद्धिदियाफलशुद्धिदिकिवाक  
उला । एहिइनिआदित्कधविवाकधार्ना ॥ अनेकजजनसशसगानेडिना । अछुकिहननागिसिआवउडिना ॥ ७७ ॥ सिआव  
अदिनाडादिनाह्रवाम । सिकाहनेतेनाह्रमउह्रनाम ॥ सकनवानवेनुनिनउडिदिवाक । हाआवउअगिआतिवकाननाक ॥  
७८ ॥ उडिदिनेकजयेउनुकवानवे । हाविदेनागिनाह्रमउविबवे ॥ अत्रिमादिवसेजनसश्रनागत । शिवत्रहिहउआयमा  
सहबदले । आकासबमेअशुअशुजेनादिने ॥ अनश्रि • नश्रिनउह्रविमअह्र । एकोथकोश्रमितवधदेवाश्रव ॥  
७९ ॥ ह्रजाश्रवउकजाश्रनामिनादि । सकाअविह्रजाश्रवा नक्राजनश्रि ॥ अनियोसमउमावदाअजनविब । अजि  
ह्रकादिनिकहोविह्रकेसविब ॥ ७९ ॥ सकमादिनह्रउडेयकदिनश्र । लोकत्रिगिविह्रिअह्रउगविलश्र ॥ आठयअउअतिश्र  
दिनसागवे । उतकसिअनेमानकवेनिह्रवे ॥ सकिधवनामेकदिगजकआइना । अनेककत्रिकसिआमविआलनार्ना ॥  
एकदिनाउह्रजाश्रानिवाकजाश्र । ह्रिगोअदिआमहाअदेअिनश्र ॥ उयदियादिहिह्रविनाकासिह्र । नथानिह्रह्रक

श्री ७

दिनप्रवास ॥ ताश्वरसनद्वरेनेनप्रदुभादि । कप्रहृत्नेवेमार्हत्तुदसनदवादि ॥ ३० ॥ अदिलदिमजगोठकेमविवहृत् । उर  
द्राकयेमिकेवाधिलोअथाहृत् ॥ सवेकमिमिलियावाकदिनावर । प्रवेकहेवेकमदुदवसमसव ॥ विवगननाउमनिवेकजा  
तोआज । म्दुदववदुवमदसहेवेवेसे ॥ जाइयत्तुमोहेवकहिनजान्मकथा । कोटिजजानकजाइवेनाहिअत्राअथा ॥ ३१ ॥  
उदयमिविवहृत्प्रथममेजाइवो । गोमनिकआनिवेगेअ हृमिविआइवो ॥ मोहेवदुयउरप्रमविजाइवोतन । अहृत्  
हृवोहोनेयागियागिसकन ॥ ३२ ॥ एवकवचनजेवेमनित वानवे । वेअनहृदिनामवेमद्वेउमिआव ॥ मिआवेठविद्या  
मयाविवहृत्प्रमान । सिदिठनवनकवेनसहेमप्रान ॥ सिहृत्तये अनार्हेकनमृजजसकन । आगनवमवाअमिनिकमिनाजन ॥  
अमृत्तोदिकहेवकमावायन । बोलावामवामसवेसजामदगन ॥ ३३ ॥ ३३ ॥ अमृदि ॥ आसिहृदकविद्योकः वाममानधविद्योकः  
इमृत्तिकवविद्योकः अहिप्रतथाकिद्योक ॥ अप्रविक्रममतेः जनवाहेमयतेः सिताककोउकमतेः आइवोमईदविमतेः अमृत्तवज  
उदयः अनासवेउतिहृत्तयः अडिवांसमयहृत्तयः कदासवेजयजय ॥ ३४ ॥ ३४ ॥ अदि ॥ अईदजाअयममृत्तवक्रमवय । केमविमनम

नननिनसमस्रय ॥ सतहृत्वालेवाप्रभुमिनासाजात् ॥ आमिभुधविधाथाकिवाएकेभाये ॥ विच्छिभ्रभ्रमानएकदिनागडि ॥ आदि  
 झाकहिनप्रभ्रमदीनकरि ॥ इहृत्वातिहृत्वाप्रभुकरेना ॥ नदीकजाइवाकहृत्वाप्रभुसाजलेना ॥ तानडि ॥ हामनस्रमैः स्रभ्रभ्रवि  
 कः कविनप्रनमस्राहः वडजेवाअकः अजनामायकः अनामिनास्रवाह ॥ केसविठवनः सिवाअठकरिः एतसदेवविधाई ॥ महिभ्रसिभ्र  
 तः जातिवसिनप्रः नदीकडिठिकहाई ॥ ७० ॥ जाइवाअमानः ॥ इहृत्वाअजयः मदीनवृधवर ॥ आठइहृत्वाः स्रभ्रवकविधाः सदी  
 ३४ छिइहृत्कर ॥ सागहनदिहाः अयकविनप्रः आअनगायवरने ॥ सकनसिदिहाः टनवनकरे ॥ जनदेविजाइतन ॥ इहृत्वाअजयः  
 वामवतगतः नडिनविहृत्वाले ॥ नस्रवस्रभ्रः स्रमककरेः ना ॥ नानदिच्छिभ्रने ॥ एवइवकरिः सागवमानतः इहृत्वाअजयः  
 सि ॥ जियजस्रमानेः वागअनार्हः अनयमिनिनआसि ॥ ७१ ॥ मद्याजमस्रवः नागहनस्रनः हेवसाइनआसिअहृत् ॥ गहिनस्रभ्रि  
 हृत्वाअसिनः आतानकरेनानड ॥ इहृत्वाअजयः सविवावस्रतः सागवहनप्रनास ॥ अहृत्वाअजयः एतथानिनः निहृत्वाअजयः  
 इहृत्वाअजयः नदीकजाइहृत्वाः साहृत्वाअजयः ॥ दिहृत्वाअजयः जाजनठानियाः नस्रजाजनठानेः हेनआहृत्वाः जनकदेवि

शाः विष्णुयज्ञमश्रुजान् । आकाशबलेद्यः अश्रुअश्रुहृत्तः सखिवरसधरने ॥ ७७ ॥ इदमेवोत्तरं कश्चिद्विद्वान् अजियोनाश्रुमताः  
हृन्मश्रुवित्ः नक्राकजाहृत्तः शानिकविश्रिनिष्ठाता । तामावमायातः कम्पनश्रुद्वित्तः किमत्तुअथाजाप्र । त्वेवेजेजानिवाः वड्डहनननः  
हामकार्याश्रुवित्तु । एतत्करुचनः अनियाश्रुवेजाः जातिनावाकृजिमाया । माश्रुवमाकृत्तः प्रेआयथाश्रियाः अश्रुनमश्रुनकात्तः जाकृत्त  
कदोथिः श्रुवेजावोत्तरः केकजाहृत्तित्थाव । हिश्रुवकालेन । आश्रुवमिनिनाः वदनकेनाविश्रुव ॥ ७९ ॥ हृन्मश्रुवोत्तरः नक्रव  
नननः आमाकृत्तमिनिठिनि । यामकृत्तदृशाः नक्राकृत्तनितोः कि । अकृत्तताविश्रिनि ॥ मात्तविश्रुवः विश्रुतेवानवाः अश्रुवजास्र  
जायाः जाठशामेतावः अश्रिकावकवोकः कृत्तावनेजातोकायाया ॥ एतत्करुचनः अनिश्रुमश्रुः कोवजातिआशाव । केनमत्तुत्तः आ  
माकृत्तनिविः वदनकवाविश्रुव ॥ अनियाश्रुवेजाअश्रुकाजिनाः नसजाजनकदृडि । हृन्मश्रुवित्तेः सखिवरदार्तेनाः हेत्तेनाजेजनकवि  
श्रुवेजावाकृजिः अश्रुकाजिनाः जाजनवत्तुहृत्त । हृन्मश्रुवित्तेः कायवदार्तेनत्तुः वदनेसाहिजाजन जाजनवत्ताठनिम ॥ अश्रुतामा  
जाजनः इतिशाश्रुवेजाः वानवदृत्तित्तमन । हृन्मश्रुवित्तेः कायवदार्तेनत्तुः वदनेसाहिजाजन ॥ ८० ॥ अश्रुविजाजनः इतिशाश्रुवेजाः



प्राकियात्रयश्रुतानि । ह्रस्वमञ्जुविवेः कायवृद्धाश्चैतः । तृतेनाज्जाजनश्रुति ॥ नवेज्जाजनकः श्रुतियात्रयश्रुतः दानवदुष्टजितमन ॥  
 ह्रस्वमञ्जुविवेः कायवृद्धाश्चैतः । तृतेनमत्तजाजन । विश्वयश्रुतः श्रुतेनावानयः किन्नाविवश्रुतिवकः एतकवृनिशाम्रश्रुतकानिनाः  
 जाजनविकस्रतेक ॥ विश्ववृदन्देतिह्रस्वमञ्जुः अक्रिह्रस्वमारुथा । श्रुतमन्त्रावेः वेद्यधिविधातिः श्रुतश्रुतिनाश्रुथा ॥ ५२ ॥ श्रुतेना  
 देत्रियाः वदनवश्रुथा जातिनाह्रस्वमन्त्राने । यद्वृत्तनयः अत्र  
 जनारुतः वाक्यश्रुतानाकाने ॥ ५३ ॥ कथाश्रुतः बुनिनत्रुदेविः श्रु  
 निलोवाश्रुताने । वामद्वयश्रुथाः नक्रिकठनिथोः हेवाश्रुताने  
 मक्राव ॥ श्रुतेनावानयः वद्वृत्तनेतोः नक्रिकनाश्रुथाजाया ।  
 श्रुताह्रस्वमिः श्रुताववृत्तकः वामद्वयश्रुतानाया ॥ ५४ ॥ श्रुतमन्त्राने  
 वचनश्रुतानेतोः बुक्किलोवन्श्रुताव । त्रिनिरुतवनेः तोवावम  
 ह्रस्वः नाहिविवनिश्रुताव ॥ ५४ ॥ जयवामद्वयः कमलश्रुताने । दिनकवृत्तश्रुति । तोमवृत्तनः श्रुतजितमनः मज्जाकमोव  
 श्रुतश्रुति ॥ ५५ ॥ श्रुतमन्त्रानेः श्रुतेनाश्रुताने । दिश्रुतमोवकः श्रुतमन्त्रानेकः श्रुतानेनाश्रुताने ॥ ५६ ॥ श्रुत  
 एहिह्रस्वनिर्सेलाश्रुताने । श्रुतमन्त्रानेकः श्रुतानेनाश्रुताने ॥ श्रुतमन्त्रानेकः श्रुतानेनाश्रुताने ॥ ५७ ॥ श्रुत

५५

५६

५७

ॐ ॥ ७५ ॥ सागः शिवानुप्रसन्नानामेनासुखं ॥ सत्रिशुद्धावतकिाठकवियासु ॥ हेरावपुत्रनयनक्रिकलासिजात्र ॥ सायतानाथानि  
ककवुविश्रात्र ॥ सागः सुहरानिस्रिनिशुद्धवबाज ॥ सप्रकवुदियातथनेतेनाराम ॥ इवमत्रावनेकिनाविशिनिरिनिन ॥ एकवारुपडा  
इनाहसुवेसागिनि ५७८ ॥ किनाकेनेआसिनोकिमावनना ॥ अत्रतेतेदिनआसिमासुतवबा ॥ नाएजराविमाविनपुत्राकक  
सा ॥ सिअसुदिलतागिह्रनासुदया ॥ मा कृतिकसुदिया वानुनेना ॥ वडप्रयथासाककिमकदिलाडा ॥ अह्रननुजा  
हेमासाकुडकाव ॥ सुप्रसमक्रथातेनावेआमाव ॥ १० ॥ निविअवर्जजानिआदिलप्रथाव ॥ केरुडिआवेह्रकवयनसु  
प्रवन्नेवजा वितेदिलपुत्रा ॥ सिकानुवडवाजागोहर्तना सथा ॥ ११ ॥ उकथाईनेनानुआतेसासुदकजान ॥ उमकाव  
इननेकेवसाउने ॥ नेदिदितिदिनेहोआनिकडिवाया ॥ फलमनुशुशिवानक्रिकलासिजाया ॥ इवमत्रावदिस्रिनिशासि  
व ॥ इवमत्रावदिस्रिनिशासि ॥ नेमावकादिनिश्रिनिआतेवक्रुड ॥ नेनागतामावनामआनसुदव ॥ १२ ॥ नाजानिनासाक  
मईकविलोप्रहाव ॥ अजाननासकनेसाकवियाआमाव ॥ अनेककादिनिकथाकदिनाविदि ॥ इवमत्रावदिस्रिनिशासि ॥ इवमत्राव

इह कश्चिन्निकश्चिन्निकश्चिन्नामनउष्टि । इवमशुभसिनाईरुजशुभईहि ॥ इवमशुभसामकार्थेडशावनक्रया । इष्टिननहाचजननिकनिलशेषा ॥  
१५ ॥ इवमशुजाहशुभदसमजाड । वेगशिवर्षनदेथेगाहृत्तथाजाव ॥ वेगशिवर्षनमोवकिनाविशक्ति । जेनाईनाकार्थेवाजे  
नसागववह्नि ॥ इष्टदिजेयाहिनउष्टरुहशुभदेस । किठानेदेथिनाततविधिनिबनेस ॥ विस्मयशुभकशिजागववमात । अशुभकथा  
कहिठामशुभकशिवाज ॥ ११ ॥ इहमाथाकविदेथेसागवकग । इह । ल्यातशुभिया टानिनेईजायथाहि ॥ इहमशुभियालोकरे  
इतिनिवाक । तावशुभिकावकवाथारितेकथाक । अशुभजमान • कश्चिन्निकश्चिन्ना ॥ देथियासाविकाववकेडककथाईना ॥ ता  
इतिथिआजिमईर्षनोमहउष्ट । इहकानेथनाहावेगाईरु । इष्ट ॥ इहइनिआसाविकागवनेडवाईना । आतानसहसक  
विवेडगाईरुना ॥ अशुभजमानजिआवदननउष्ट । विकटानेनजेनअनवआरुथ ॥ १० ॥ वेगशुभोईरुथेदिआजेनिगाठवि  
हेनदेथिइवमशुभदेहाकवि ॥ अशुभसिनागेयाथातिमहावेग । इजसिननेईजेनजनरुहयोसे ॥ अशुभसिविवेकहिमहाको  
॥ नाडिइष्टिइष्टियागुठदिनामेग ॥ कवेइष्टकईरुनायेडसाग । इष्टुनईरुथोवतजिनेआठेस ॥ १२ ॥ नथइइहनिनउष्ट

श्री ३

दयव्यास ॥ मन्त्रान्तरिकानि राजर्षिना वा ॥ अनयत्जनत्वकमथुनर्चनित ॥ आसाठिकाकताद्वहृदिशाण्डिन ॥ इन्द्रमथविहृदे  
त्रिशाण्डिका ॥ देवमनिश्रुष्टिभ्रमसेधमधम ॥ माहिनकतकताईनाईआदिअथ ॥ कल्याणआमथविहृदिइन्द्रमथ ॥ ८७ ॥ इन्द्रआदि  
कहिजाकंशतसेडहृथ ॥ अनेकद्वहृथमथवतानजाथ ॥ हेनदसवरेवमाहिनवानाव ॥ किरिडिआकिन्जावहृदिराकर ॥ देवताव  
असंज्ञानकोडककथाईना ॥ आकासगमनेकगिजप्रदछेडाईना ॥ लकीअहिनैत्रिनथद्वहृदुणार ॥ द्विडिअथावडिजनममथडिठार  
अवेतजिडिषमृदिआडिडिडिडि ॥ उडिडिअवित्तजाईथुवनवअथ ॥ ॥ अवेतजविशमथमथमहृदि ॥ अशासनडिनकोइडिडि  
मथि ॥ ८९ ॥ सागडुविशाआईनाईतोकोनमथ ॥ कडिजाजनवजाईवेजाकोआठगाह ॥ सतकजेजनआईनाईतोकोनकाड ॥  
इन्द्रकाहिनिकहिवाकनासनाज ॥ उविनथसागडुकिडोनाईजकी ॥ अवेतजजिडिडिडिडिडिडि ॥ माथाअनिदेअथआदिलअथाडिडि  
करजाडहृमथवाठवुनितथ ॥ जात्रजिडकहिडिडिडिडिडिडि ॥ एनाठवदिवाडुनिममिनथमाथ ॥ केनेडकडिवासासामकार्ये

क

जात्या । दिवसात्सकृत् जेभ्यश्चानि ५०० ॥ १०० ॥ हेनश्च निवृत्तत्वेनाकाशान्नन । <sup>दुवा</sup> नेशि ह्रमप्रवृत्तिर्नामन ॥ अवेनवृत्ते  
 विवहृष्टीकविष्णु । दिवसात्सकृत् जेभ्यश्चानि ५०० ॥ १०० ॥ अवेनवनामिनश्च विकलाग्निजात । अनेकसकृत् ह्रमप्रवृत्ते नेशि ॥ नदी  
 नश्विकर्तृदिनोद्योतनिना ॥ अशुनिकावेना विवहृष्टाश्वजिना । इत्यत्र विवहृष्टे जेभ्यश्चानि ५०० ॥ वाङ्मयवाक्रियाश्चैव कथं विवहृष्ट ॥  
 विवहृष्टसमानसकृत् चित्तकनेवह । ह्रमप्रवृत्तिर्नामनश्वजिना । इत्यत्र विवहृष्टे जेभ्यश्चानि ५०० ॥ वाङ्मयवाक्रियाश्चैव कथं विवहृष्ट ॥  
 व ॥ अनेकसकृत् ह्रमप्रवृत्ते नेशि ॥ नदी नश्विकर्तृदिनोद्योतनिना । अशुनिकावेना विवहृष्टाश्वजिना । इत्यत्र विवहृष्टे जेभ्यश्चानि ५०० ॥ वाङ्मयवाक्रियाश्चैव कथं विवहृष्ट ॥  
 कमनिजनेहायेहाय । अशुनिकावेना विवहृष्टाश्वजिना । इत्यत्र विवहृष्टे जेभ्यश्चानि ५०० ॥ वाङ्मयवाक्रियाश्चैव कथं विवहृष्ट ॥  
 नेशि चित्वा विवहृष्टत्वेना विवहृष्टमान ॥ अशुनिकावेना विवहृष्टाश्वजिना । इत्यत्र विवहृष्टे जेभ्यश्चानि ५०० ॥ वाङ्मयवाक्रियाश्चैव कथं विवहृष्ट ॥  
 हकृत्वि । इत्यत्र विवहृष्टे जेभ्यश्चानि ५०० ॥ वाङ्मयवाक्रियाश्चैव कथं विवहृष्ट ॥ अशुनिकावेना विवहृष्टाश्वजिना । इत्यत्र विवहृष्टे जेभ्यश्चानि ५०० ॥ वाङ्मयवाक्रियाश्चैव कथं विवहृष्ट ॥

श्री १



शुद्धप्रथमस्य ॥ अनासृजसद्वैतकथाव्याख्यान । अस्तुतार्थिकप्रतिष्ठासमसौचन ॥ तस्मात्प्रथमत्वेऽस्यैकव्यतिष्ठति । अनासृजसद्वैतकथा  
सुशुद्धात् ॥ ११२ ॥ ॥ ॥ हृदि ॥ अस्मिन्निष्ठित्तिनिनाविः अस्मिन्निष्ठित्तिनिनाविः अस्मिन्निष्ठित्तिनिनाविः अस्मिन्निष्ठित्तिनिनाविः अस्मिन्निष्ठित्तिनिनाविः  
नकेऽत्रवेअनिथाचेहृदि । मन्त्रिप्रवसमसुतः समर्थियावज्याप्रवः तसमेसहितकवेद्रुम् । नकेऽत्रवेअनिथाचेहृदि । अस्मिन्निष्ठित्तिनिनाविः अस्मिन्निष्ठित्तिनिनाविः  
नजगतवृत्तिः ॥ हृदिहृदिगोपानिकः अस्मिन्निष्ठित्तिनिनाविः अस्मिन्निष्ठित्तिनिनाविः अस्मिन्निष्ठित्तिनिनाविः अस्मिन्निष्ठित्तिनिनाविः  
हृदिहृदिगोपानिकः अस्मिन्निष्ठित्तिनिनाविः अस्मिन्निष्ठित्तिनिनाविः अस्मिन्निष्ठित्तिनिनाविः अस्मिन्निष्ठित्तिनिनाविः अस्मिन्निष्ठित्तिनिनाविः  
नकेऽत्रवेअनिथाचेहृदि । मन्त्रिप्रवसमसुतः समर्थियावज्याप्रवः तसमेसहितकवेद्रुम् । नकेऽत्रवेअनिथाचेहृदि । अस्मिन्निष्ठित्तिनिनाविः अस्मिन्निष्ठित्तिनिनाविः  
प्रः विप्रिनश्चानेद्यायासात् ॥ नोमकनश्चकनः अकनश्चकनः अकनश्चकनः अकनश्चकनः अकनश्चकनः अकनश्चकनः अकनश्चकनः अकनश्चकनः  
प्रवजेऽत्रवेअनिथाचेहृदि । मन्त्रिप्रवसमसुतः समर्थियावज्याप्रवः तसमेसहितकवेद्रुम् । नकेऽत्रवेअनिथाचेहृदि । अस्मिन्निष्ठित्तिनिनाविः अस्मिन्निष्ठित्तिनिनाविः  
शुद्धिनप्रवानाविध्याने ॥ नादनामनिजाठहः गोनितान्प्रव्यादिः शुद्धिनप्रवानाविध्याने । शुद्धिनप्रवानाविध्याने । शुद्धिनप्रवानाविध्याने । शुद्धिनप्रवानाविध्याने ।

३१





निरिनोकोमाकनजानयज्ञे ॥ इसवेजानिलेकहेवेकथाइति । मोकरनिकथाइवेकबावनउरुति । जिताकनामाकि-  
 जार्हेवेकथाइ ॥ केनमाउमाउमाइनाइनाइमाइ ॥ कुलिउभविशाऊरुमाउमाइमाइ ॥ बुनितेअबकाउमाइ  
 इह ॥ जिताकनामाउिजाइथहिमाउेजाइ ॥ वाइववहिउकेनमाउभउिशाउे ॥ बुनितेउवनाइथेमिठायाउाउुय  
 सिदेथिनोवोनय ॥ मोबमानेजेनइयाइकबिनोहोसह । दामकार्यसावसेहनेहैवाजह ॥ दिवेदि-  
 श्री ॥ इति काहिनि । जेनमाउसुविशाउे जानकिजासनि ॥ इतिउवथानुमाइककावाभाह । एहिइतिअन-  
 वनउग्राह ॥ हउजेउकविशासिताकनमिनउ । आउिअनकविशावठनबुनितु ॥ २३७ ॥ श्रीमउमहवजादसइथनाम ॥ २०  
 हानतनयसेहउेनउाविय ॥ वाइआउिवाकनसवथसाउेवना । केउथाइकेकेइवाइकावितेना ॥ अउताउेककदाइदि  
 नानानि । वाइववसहनाथोबवनवासनासि ॥ उाहकउाथीकवामिउनेकविनिन । मउकउानकिकवावानहविन ॥ एहिइनिइवम  
 उओनेथाकिनउ । मृयकथाअनिदेविओदिसेठाह ॥ अरवमहिमदेविउवनाथिन । मकिनमिसतादिकिठानाहथिन ॥ ३६६कठा

व नो १००० १००० १०००

अज्ञानेणाव्याथाकीर्ति ॥ कलाजनिश्चैलेककाहाकोकयेवदि । जिथानवहृत्तेशाथाथाकिनरिहृदि ॥ २७॥ वदन्ताथेश्रुतिनेकद्वया  
यावत्कृति । उर्ध्विवायकविजनवर्द्धनाठनधि ॥ इन्वृत्तमहाकलाश्चैनेमहृत्तथे । आश्रयात्तद्वृत्तमिहिकविमथे ॥ इन्वृत्तविठादिभूव  
प्रजाविजावि । कथासमस्तवसवेककविठावि ॥ उर्ध्वसमाननवेककथाकनि । जवालाअधिकजिगाककथाअगति ॥ जिगाकनवद  
अज्ञाननोद्वृत्तअधिक । सावनवृत्तमिहृदिअनियुक्ति ॥ कला विनिथात्तकविथाविमविम । इन्वृत्तअधिककविमिहृदिनप्रदिजि ॥  
१४०॥ अययामहृत्तदेवश्रुतमहृत्तव । इन्वृत्तनकमलप्रकासदिवा कृत् ॥ इन्वृत्तअधिककविमिहृदिनप्रदिजि ॥  
माजिकनोक ॥ १४० ॥ कृति ॥ १४१ ॥ अथाविमश्रुतकः विधिगोर्धनेत्रिनः अर्धमानिकवनेककम्पे । महादिठकनाजनिः अज्ञानवृत्त  
इः अर्धनर्णयामिन्निनेतद्वृत्ते ॥ अनेकमनविमवः बाजावभायतधदिः अतिनेकथातिमहृत्तवर्द्धे ॥ १४२ ॥ ज्ञानधि ॥ अर्धकमनदिः कृत्  
कनथत्तः अर्थेत्तावथनायाई । अज्ञानदिनेः इन्वृत्तअधिककविमिहृदिनप्रदिजि ॥ अर्धककथाककृत् ॥ इन्वृत्तअधिककविमिहृदिनप्रदिजि

श्रीः । एतकनरकः प्राक्निष्ठाभिः । श्रवणा येथायागामि ॥ अन्तविश्वरः अक्रिणरुगतः अशिके मूमठिहृत् । अशिकानरवाः अश्या  
उन्नयः विष्णुसुदण्डहृत् ॥ अक्रिककः अश्वकविनः अश्वकविनः अश्वकविनः । काशकवक्रिणः आनकिश्वाह्यः श्वरवजाहृत् ॥ अ  
नोक्तमोहनिः दिशकन्याजनिः अश्वलेमप्रिणकर ॥ १४५ ॥ वदनकमनः आतिप्रनिश्चनः उन्नकहिन्तन । मोनाबन्धाबोहः वृहिननः वि  
बेभानमत्तहृत् । अश्वनोक्तमोहनिः दिशकन्याजनिः माकृतिः यत्तहृत् ॥ अश्विकुम्भः देशिहृत् ॥ नाशिनताहृत् ॥  
॥ अश्वानलशानः सुबिसुबिदिहृत् ॥ अश्विनमवानमत्त ॥ १४७ ॥ अश्विनमवानमत्तः अश्विनमवानमत्तः । अश्विनमवानमत्तः  
वेडिजनमत्तः विद्वानिसक्रवजाने ॥ अश्विकुम्भः देशिहृत् ॥ अश्विनमवानमत्तः अश्विनमवानमत्तः । अश्विनमवानमत्तः  
नमोवमुक्तिः अश्विकुम्भः अश्विनमवानमत्तः । अश्विनमवानमत्तः अश्विनमवानमत्तः । अश्विनमवानमत्तः  
कमोहमतिः । अश्विनमवानमत्तः अश्विनमवानमत्तः । अश्विनमवानमत्तः अश्विनमवानमत्तः । अश्विनमवानमत्तः

श्रीः

... कविः वाताकहिजाहवोहोतामात ॥ इतामधुनकथाः तामातकहिनवाप्रः सृष्टकार्यकविविबिनास । एकैकप्रकृता  
 २ : कोटिवाकसत्रात्रेः किमतेनविदितावमास ॥७४१॥ सकलवाकसमितिः तामाकवनिक्वाहवैकः वामेः उवाताकनामाहव । आदि  
 आनेहनिवाठहाहिवृत्तः आमिउववद्वअमाहवो ॥ अहिहनिजिगादेविः दिवमनिगाठआनिः कडिदिनाह्ननदिनहृत्तु ! अदिदिनेसा  
 दिव्याः देविकप्रनामकविः इतजाडिलेनाह्रमृत्तु ॥७४६॥ आठियागोसादिमायः अडियाकसोकतायः वाहवकमनिदि  
 कानिया । आधूनतोः कृषरन । अकासकवियाआहवोः वावना ककिठालेहदिया ॥ अहिहनिह्रमृत्तुः कताहवसेहासाहः  
 मानमालेअनृवद्वत्त । एकैककार्यकआसिः अनेककार्यकसावेः उाकसैडुमभुनिहृत्तु ॥ वनकहविसेमोवः इतजायह्रकयः इययति  
 कविनिहृत्तु । नदीनगदितआसिः अनमनिनआहगाहः क्वानेअनामोवाहवव ॥ मोववनमहिमाकः नजानिजानकिमायेः मानथा  
 एकैकसमय । आहानेआगतआदिः एकमायादवायहः जनयाजोहृत्तुअय ॥७५॥ अहिहनिह्रमृत्तुः तत्रानिगावआनेः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । हृत्कवचमिदं ॥ ह्याविभोत्रवृत्तिः ॥ ज्ञानसाधिका जिनतनाकेस ॥ सायवनाद्भुनेतानः ॥ कान्धनशुनठ  
 नाः ॥ सुकमककाबेफाठदले ॥ शिवनजाहृदुवृदिः ॥ हृत्कवचमनववेसः ॥ देत्रिसिताहृदिसितिनले ॥ ७७७ ॥ ज्ञानकिबानत्रमादिः  
 मनवाश्रममठः ॥ सुषयवकुवाहृनिहिमोद ॥ नकाशेचोवागिहृदिः ॥ हृवेयवेहृविभ्रासः ॥ वाम्भसेनोकि कविबेताक ॥ अन्दरे  
 हृमठः ॥ ज्ञानववेनेनेयाः ॥ अजिननुवजाबध्यास ॥ ॥ कानिगेनकानसिः ॥ आजिठनादानसिः ॥ नचनठ उनाहृ  
 तान ॥ सविववधमिमावः ॥ काककाकेनिकनयः ॥ आवनाक ॥ विवेभ्रासक ॥ हृदुवृदिमभुनः ॥ सुत्रियाहृदिसिनायाः ॥ वेद  
 काकेजावभानः ॥ नोहृदसवध्यासिः ॥ महावेदमहिहिजः ॥ आजिठलोवाजावहयाव ॥ हृदुवृदिमभुनः ॥ सुत्रियाहृदिसिनाया  
 ॥ किठिकहिगाहृवाहोवजाव ॥ अधिकाविनोकावाने ॥ उभाहृदुननाहृः ॥ भुजिभृदिठहिनाविभृह ॥ वेदविभृदामनकः ॥ वंजहृदु

श्री

२४७ अथ विरुद्धे कविविवाह ॥ अथ उच्यते हि यावत्तानेव ह्युक्तं वाक्यं । क्रमिन्नेनयनेमात्स्यं वाक्यं ॥ ह्युक्तं त्वेनादिकेति शिवाइकिवादेति  
 लाह ॥ शिवाकनात्त्राहमिथाप्रनाकत्त्राह ॥ २४१ ॥ हाजितात्त्राहमिथाप्रनाकनावि । तामाकनिष्कृत्वाह्येन्युनितेनासावि ॥ वाथि  
 नावाथिनोत्त्राहमिथाप्रविह्या । तामावद्वक्तृतिमवेगेनाह्युत्तव ॥ नक्रावत्त्राप्रदत्तनावाक्यमवकथ ॥ वादनदिनाप्रदेत्त्रावाद्यवव  
 जय ॥ गोसाइकनेत्त्रिनोमर्शसोपनवहृत्तं । मसागवाथुथि विरुत्त्राप्रकथमथ ॥ २४८ ॥ आत्वाह्येनदेत्त्रिनोवाद्यवम  
 हाविद । महकउहनेतत्रोपियुत्तवविद ॥ वथत्त्रानदेत्त्रिनात्त्रागजदत्तमय । महत्त्रकदत्त्रानेत्त्रकथयावय ॥ तात्त्रचि  
 हायदेवेत्त्रविरेजत्त ॥ दिवत्त्रनक्रावेत्त्रविदकमत्त्रिनत्त ॥ मत्त्रदेत्त्रागाइनात्त्रानिष्कृत्तत्त्रत्त ॥ श्रीहाइनत्त्रनत्त्रिना  
 तात्त्रत्तत्त ॥ २५० ॥ वाज्जिन्वविनेकत्त्रकत्त्रवने । मेत्त्रत्त्रत्त्रवेजेनत्त्रत्त्रकत्त्रत्त ॥ अत्त्रकत्त्रानत्त्रत्त्रदेत्त्रिनोवात्त्रक । वा  
 मदेत्त्रिहाइन्त्त्रनत्त्रनक ॥ तात्त्रचिद्विवाहदेत्त्रनक्राकत्त्रानिना । कुमिनामोदेत्त्रिनोत्त्रकत्त्रानत्त्रना ॥ वादनकदेत्त्रिनोनिठना  
 नत्त्रात्त्रत्त ॥ अनत्त्रदादत्त्रिद्विवात्त्रात्त्रात्त्रत्त ॥ २५२ ॥ अत्त्रकत्त्रानेत्त्रत्त्रत्त्रानात्त्रत्त्रात्त्र ॥ दत्त्रिनदिमकनागिनेत्त्रात्त्रत्त्रत्त्र ॥

३३१

श्री

निष्ठकविमानि । जिताहमज्ञिकनिशाश्चमद्युतज्ञानि । निष्कृष्टिनादानेनसत्रिहिकार्यकद ॥ जिताहवेभ्योत्त्रविनाहे वावनव ॥ २७ ॥

वाक्कसिगनबभ्रनिवहनश्चहृ ॥ उद्युतसत्रियागायकामयसिगाह ॥ जिगिगाहृकृत्तनजानकिताज्ञानि । उद्युतसत्रिसमृद्धियावृनिन

प्रयानि ॥ हृष्टेवेनाविकिकिशाहृथवमवहृहृ ॥ मृथहृथनजानासातिनियोत्तोकद ॥ आनिहवहृककिमि ताकानाहृथथ ॥ तादा

केनज्ञानिवाहृत्तुत्तुवाधृ ॥ २४ ॥ किनामहृआजिष्ठिनिके नकश्चकवा । विनेहामथुदिनेकेनेथानहृवा ॥ २५

इत्युत्तोकथानिनकहृवि । सिकाबनेववनाथाहृथथान धृवि ॥ २४ ॥ मोहकजिठियाहृदिम्यामिनावायन । शोक

जान्प्रुष्ठीवायनश्चाने ॥ सिकाबनेजियत्तुथाहृथनकेश्र व । विदिहोवासाजिष्ठथवमवहृहृ ॥ उद्युतसत्रिसमृद्धियावृ

प्रुष्ठीवावि । वनवाजिहृथिथुहृथुहृथुनिकावि ॥ उथाजिठियाहृत्तुत्तुवाधृथमहृदता ॥ मृथसात्रिसत्रिष्ठतानविदाहिा ॥ २४४ ॥

केनज्ञानिहृथिवानकिथानश्चविजाहृदा । वाक्कसिगनकश्चकानेवडिथाहृवा ॥ उद्युतविर्कसानिहृथिवाथानकक वाक्कसिगने

आमिबनिकानिदक ॥ एनोकववजाहृवेहृथयवावन । उथाजिठियाहृत्तुत्तुवाधृथमहृदता ॥ मृथसात्रिसत्रिष्ठतानविदाहिा ॥ २४४ ॥

भावकविः ॥ यावामनस्कृतश्च ॥ ७३२ ॥ मोक्षप्रदानेनैव निजोक्तकस्य च । तिस्रस्योक्तानि महि आह्वयकिस्य च ॥ किसकनागिदे  
 वायव्ये वायव्ये वायव्ये ॥ यावामनस्कृतश्च ॥ ७३३ ॥ तत्रागिनासत्रजेवैवामनस्कृतश्च ॥ आयोयत्कविः तत्रैवमविवोहाथा  
 मि ॥ श्रीवामनवार्तावाचजनाहविमन्काले । जनश्रुत्वात्प्राणोर्महसिः स्यात्काले ॥ ७३४ ॥ वाक्यसिन्धिलोकैकमाकस्यप्रवक्तव्ये । आमाक  
 नष्टितेनैवमिमासकस्यप्रवक्तव्ये ॥ इन्द्रनिकाहमहकिमो७३५ ॥ वा ॥ इवस्यमासकस्यप्रवक्तव्ये ॥ माकृतिवोक्तप्रवक्तव्ये  
 ॥ हेनजानावावनामवर्गेगेनमाव ॥ असंस्कृतसनावनयान ॥ इवस्यमासकस्यप्रवक्तव्ये ॥ माकृतिवोक्तप्रवक्तव्ये ॥ ७३६ ॥ महसमवि  
 वकतामोक्तप्रवक्तव्ये ॥ सहीतविह्वानिकश्चासह्याकिक ॥ असं ॥ कृतसेनायेस्यप्रवक्तव्ये ॥ माकृतिवोक्तप्रवक्तव्ये ॥ ७३७ ॥ महसमवि  
 श्रीवामनस्कृतसवसाजिआसिक्व ॥ यावनाकमाविआसितामाकनिक्व ॥ जनमतवाहववक्तव्ये ॥ कहीयोसङ्केतान्जानअवि  
 दि ॥ ७३८ ॥ सहीतवाचयकिवातोमाववामाव ॥ मोहिकथाकहचनिजोह्वोहासत्रजे ॥ जानकिवोक्तप्रवक्तव्ये ॥ कहीवोक्त  
 ॥ इन्द्रनिकाहमहकिमो७३९ ॥ इन्द्रनिकाहमहकिमो७४० ॥ इन्द्रनिकाहमहकिमो७४१ ॥ इन्द्रनिकाहमहकिमो७४२ ॥ इन्द्रनिकाहमहकिमो७४३ ॥ इन्द्रनिकाहमहकिमो७४४ ॥ इन्द्रनिकाहमहकिमो७४५ ॥ इन्द्रनिकाहमहकिमो७४६ ॥ इन्द्रनिकाहमहकिमो७४७ ॥ इन्द्रनिकाहमहकिमो७४८ ॥ इन्द्रनिकाहमहकिमो७४९ ॥ इन्द्रनिकाहमहकिमो७५० ॥



काकोमासुतनेय्यकविनेकठाने ॥७४०॥ ताकनासिहनिनप्रईसिकावदान । सिकावनेकाकुरुदकिनठमूकाने ॥ मानसजिनावा  
काठकान्ठान्ठाना । सोवदिबबुष्टेबासोफोयसुविविन ॥ ताकादधिद्वहाशोहासिनोवठाने । अनिठाहठोकवाप्रथानेकोनेजा  
ने ॥ जिकथाकहिनामायकहिवाहजाई । किठामिठोवकुआठदियाजमठथाई ॥७४१॥ जयनमोवयुचुतिद्वगतिद्वगति । तामाव

७४२॥ जयनमोवयुचुतिद्वगतिद्वगति ॥ जयनमोवयुचुतिद्वगतिद्वगति ॥ जयनमोवयुचुतिद्वगतिद्वगति ॥

कः तामाव कथाककलेसुतसुतनेके ॥ तामाव कथाककलेसुतसुतनेके ॥ तामाव कथाककलेसुतसुतनेके ॥

३)० विहयमनकाम । सकनसमाजहाकिबोनावामवाम ॥ ३)० ॥

दोनडे ॥ जयनमोवयुचुतिद्वगतिद्वगति ॥ जयनमोवयुचुतिद्वगतिद्वगति ॥ जयनमोवयुचुतिद्वगतिद्वगति ॥

जयनमोवयुचुतिद्वगतिद्वगति ॥ जयनमोवयुचुतिद्वगतिद्वगति ॥ जयनमोवयुचुतिद्वगतिद्वगति ॥

वज्रवनकनः कजिवबमहामति । वानठककनिः आनगतिना

२ः वामवठवनेकति ॥७४५॥ हृदि ॥ सार्द्धवार्द्धकमः ॥ जयनमोवयुचुतिद्वगतिद्वगति ॥ जयनमोवयुचुतिद्वगतिद्वगति ॥

जयनमोवयुचुतिद्वगतिद्वगति ॥ जयनमोवयुचुतिद्वगतिद्वगति ॥ जयनमोवयुचुतिद्वगतिद्वगति ॥

जयनमोवयुचुतिद्वगतिद्वगति ॥ जयनमोवयुचुतिद्वगतिद्वगति ॥ जयनमोवयुचुतिद्वगतिद्वगति ॥

कनिथान्मानु ॥ वास्तुसिद्धयुक्तद्वयार्थश्रुतिवक । ईश्वरद्वयप्रमाणमेतन्नित्येक ॥ किंवावावाभार्निवाप्रकहियेच्छुद्ध । किंवावा  
सद्वकिंवावायवदु ॥ २१८ ॥ कडजोडकवियावोनप्रहमप्र । तामावप्रमायिवायकन्यानेआच्छु ॥ वाडकनाभायावात्मशुजिनाव  
दु । इवमप्रुनाममोववायवदु ॥ अमियावप्रुएणनमनक्रमव । अमिविदुमावअकमनववदु ॥ मोवनप्रुमतेप्रुनअमनना  
॥ अहानयाभायतानमनेप्रुमान ॥ अहिवनिमात्राजोडश्रु  
श्री ०० अमप्रुदिसुवद्वकाया । अमप्रुहिजिताअहवाकसवमाया ॥ आ  
प्रु ॥ अहवसहिदेवताविलेकवाययाय । मवप्रुकाविलेसि  
कणहानावुनियामप्रुदु ॥ नाहिसुवेदयालाहकडुभायेप्रुछाया । जोमाकहिविनाभाठनिर्यालतयाया ॥ सिताहवोनप्रुवावनास  
आसिठना । मायाकविप्रुवदुसिठनिवाकनेना ॥ इवप्रुछसाजिआनजुजाननायात । वायवववानववकिमवमजु ॥ २१८ ॥ एक  
दनिआसिठिनिरेमानाहक । कडकप्रुहिवाभार्निहृवगवाडु ॥ आमाकठनियतुर्कानेहनभाहवि । अथमवफानेवटाअधोग

हिनादेविवायह... । नमस्तुयानदाथाचेष्टजनिकवि ॥ जिगर्होवोन... । अनामोहोअर्थक... ॥  
 ५७ ॥ वानदाह... । अहम... । जिगर्होवोन... । मोह...  
 केनम... ॥ सिमि... । उमिनोकाह... ॥ सिमि... । कि  
 काव... ॥ २११ ॥ दा... । सिमि... । हवि...  
 अनिकि... । सिमि... । सिमि... । विजा...  
 नन ॥ आथा... । उमि... । क... ॥ २१२ ॥ सि...  
 वि । आ... । सि... । न... । को...  
 अन... ॥ सि... । वा... । ऊ... ।  
 २१३ ॥ अ... । वा... ॥ क... । वा...

प्रहसिदनेसाङ्गि ॥ वानवववाजाजेश्वरुनिजाक । तानकिमनथाठेआमाकनिवाक ॥ एकैसकार्यकवाप्रसजियआमाव । किम  
 त्तेइसासववनिगाव ॥ सतकजाजनमववुनआनय । गहिनसखिबद्योवप्रयकजनय ॥ ७० ॥ हनयइसमयोवसागवकतवि ।  
 नक्रानसखिकनासिआइनिकिनकवि ॥ सवमइहनवोवममदेतोआय । साकृतिवोनप्रशमित्याकसुतिमाय ॥ आमावप्रसाणेमोव  
 सवनउमह । आमावप्रामिबहहनवमममह ॥ गोत्रेजसमान कविबिनोसागव । इमवप्रसजियइयउठायोमनव ॥ ७१ ॥  
 सावकविकथामेतकह्वमम । मोहवकिप्रामिवामकेन्या नथाहप्र ॥ किमतमयनमानवजनकवु । किवाचिकविनो  
 कप्रुममम ॥ किमकप्रसककथाप्रचिनाआमाव । श्रीवामवनि कावेप्रप्रतनाहिमाव ॥ मनसकिंविद्यासिइजठठाव । इह  
 निनउकोदिनफनाहाव ॥ मातवाननाहिकिह्वप्रप्रतहविन । एकैकदिवसेजाइएकैकवविम ॥ आमाकप्रमदितानइतिनाहिमान ।  
 आमावविनउवनेवने ॥ ७२ ॥ वामवनिकावप्रनिजगतवथाइ । महामोकैकान्दिनप्रववननाजाइ ॥ सितावविनाप्रदेप्रिहव

३२

कवच । तामाकडाहियावोनेआठावनमाका ॥ नवेहृष्टआनाठियाआमाकमहाईना । लकीरतामाकआमिअजियानसाईन ॥ असो  
काकआमियातामाकअजिआईना । आदिअत्रकथाजउतामाअजनाईना ॥ हेहानयामायआठिकविमनउठि । बामनामनेअिआठवाम  
इआईहि ॥ अहिबुनिदेविबहअतनिघानिना । तोकनेअिगोसानिवाछेउरहविना ॥ कताबेलिजितादेविछेनकथाईना । वामवआईहि  
निघामाआठउईना ॥ ७०४ ॥ हृविसेअजनाठिवननिघान । वा • कउप्रअजनाअवमउतन ॥ कताअजनाअविजिताय ।  
नमहेमविबविठिआकहाय ॥ इईनयनवहृष्टेवहिआईनिव । कयलअजनाकवयजिजिइ ॥ किनामोवआनअडुअक  
कवेमन । अहृउसहृसवाअताहोवचन ॥ ७०५ ॥ तामाहवचनेवाअमअथेयगेनो । सोकअथमईसककनठानो ॥ जादकवि  
कथामोउकथाहृमउ । मोहोवकिआमिबामकेन्यानेआछु ॥ आनकथाहृमउकहृइजाछे । मोहोवकिलमनदेवइठानेआठ  
कोमन्याअमिठाकिआछुठानमउ । केकेगोसानिकिआहृअजायाउ ॥ ७०६ ॥ उअहृकथासवेकहिथाकथाजि । मोककिनिदुठ



नाथादि । अथ ह्युक्तिमिनिपाजिताकथाप्रमादि ॥ वाक्प्रसिन्निलोककवाजाकविद्याप्रामेस । कथाजनसमेत्येयानक्रुतप्रवेस ॥ भासति  
क्रुतक्रुतप्रवेसविश्विर्लना । जिताकवाक्प्रसिन्निलोकेकथाप्रवेसना ॥ २२ ॥ कथेवोनेइवइवकेशेवोनेमाइ । आनकनि  
नादिकुवाश्रयकिकथाव ॥ उक्तिविकिन्नउक्तिविबानकान्तकदि । हिविद्योहानत्रोत्तवहनयवितावि ॥ भासतकामोवदिद्याहितिवा  
त्तासिब । बहिर्ह्युक्तिमिनिपाजिताकथाप्रमादि ॥ अथावेवात्रसिना ॥ अथावेवात्रसिना ॥ अथावेवात्रसिना ॥ अथावेवात्रसिना ॥  
मावाक्प्रसिन्निलोकेजितामेविन्न । अथावेवात्रसिना ॥ अथावेवात्रसिना ॥ अथावेवात्रसिना ॥ अथावेवात्रसिना ॥  
अनलेकव ॥ २३ ॥ विविधप्रसिन्निलोकेवनामाअनक्रुत । अथावेवात्रसिना ॥ अथावेवात्रसिना ॥ अथावेवात्रसिना ॥ अथावेवात्रसिना ॥  
इजाउदविलिह्विर्लनाकथाप्रमादि ॥ अथावेवात्रसिना ॥ अथावेवात्रसिना ॥ अथावेवात्रसिना ॥ अथावेवात्रसिना ॥  
नकिकथादेजानि । अथावेवात्रसिना ॥ अथावेवात्रसिना ॥ अथावेवात्रसिना ॥ अथावेवात्रसिना ॥ अथावेवात्रसिना ॥  
वाह्विअनिनवावने । अथावेवात्रसिना ॥ अथावेवात्रसिना ॥ अथावेवात्रसिना ॥ अथावेवात्रसिना ॥ अथावेवात्रसिना ॥

मिश्रानेकद्वयोत्थासि ॥ गोवधुनिसेष्टिजनयहाय । इतिनेसेनिष्ठजनह्येस्रुताय ॥ अष्टकविज्ञानक्रीनाशानमाचर  
नेश्रीशोषजनिसेनावद्रुवप्रह ॥ २०४ ॥ मनमनस्यस्रुतसहोानसुक । आशिष्ठबावनेश्रीशोमानिकठोक ॥ मनमनेबाल  
प्रथाकिविनाडिकेक । इष्टवद्रुप्रहजवेताकदिबोमेक ॥ आशुतथायकदिथाश्रीशुविबोत्रिवि । आदहयायतवविसेनाईदोहोमि  
वि ॥ नाश्रीमाद्विवादिगबोदसमाथायुनि । ब्रह्मिआजिमावि । अनर्थमजबकशुनि ॥ २०५ ॥ हायदहवेदश्रीशुनिठनिठि  
नाथ ॥ नाथजवारिसागस्रुतस्रुतविषकण्ड ॥ अष्टकविठनेन । क्रिस्रमहावजा । मन्नादुविबोनयथास्रुतनाकज ॥ २०६  
प्रहकानेसजिआछेननजहदेवे । विकवनेधविनेमोहोव । श्रीमिमावे ॥ आगवाविमन्नाददिवुनिनाआवाध । छिसकन  
प्रहहथाईफाध ॥ तामावशोधकस्रुतस्रुतदेवगने । अशानिकाहिनिप्रहप्रमवाकेने ॥ आगवादिमन्नाददिवुनिनप्रवादि ।  
कश्रीसेजनस्रुतश्रीनाथानि ॥ बावनेबोनयश्रुनावाकसिनिनोक । जनस्रुतस्रुतस्रुतश्रीदियामेक ॥ मासेककनागिमई  
नश्रीठि । इश्वरिष्ठवेजेनस्रुतवदजाश्रि ॥ आयुश्रुतकश्रुतिवुनिस्रुतदई । जनस्रुतस्रुतस्रुतवठिठियाडुश्री ॥ एकेप्रकान

श्री ५



विष्णोर्लक्षणः जित्याकवनगोचारे ॥ सिताश्वत्थान्तः द्रव्यनवावनाः नामतस्यैव विश्वः सात्त्विकग्राहविः आनिवा  
उव । प्रवृत्तश्चासुः त्रिभिरर्हैः जालजानातावसुहः मोहावथासुः यथायथासुः आन्तुतावेनाकह ॥ आसिने  
हः अस्मिन्सर्वविहैः नजवेनाककः बोधाकदिनिहिः आनिनिहिसुबिकवि ॥ बाह्यवथासुः आसिधर्मजालिः जल  
आसिर्वर्द्धिः आर्हनेपिकरः सासिउष्मकवाताक । निर्भयन विवः आसुतावनाः सावसथाताईर्है । निनत  
अजिहैः उपकथकेतानार्हैः नाककाटिवावः प्रानकथाठयः प्र अवाह्यववाह । ताहावविह्वः वर्धेतात्यमन  
वाक्त्रिभविजाहा ॥ २०० ॥ जयजयवधुर्वसिबोमनिः यामह्व कर्मासिः तामावह्वनः अर्हजयमागोः जगामकह  
उद्गनाममोवः अत्रेनाहावोकः ठवनेनेताकमन । तजिथानकामः वानावामवामः जसमाजिकजने ॥ २०१ ॥ अर्है ॥ अह ॥ ।  
वसुनिथाहेननेवासवठन । फोवेनससुर्वेनाववठनयन ॥ उवह्वैठसुकाशेसिसयहातेह्व । कर्ताकेजाविथाआवेहावहसमाथ  
अर्हैकविदोनयवाथेकताकवाम । आसिनेअथाह्वेतावसितासिनाम ॥ वनेधवासासिष्ठिसुविदेवसासि । मेकिसासिनामा

ॐ : ब्रह्माद्यादिदेवैः ज्ञानकवचवन्द्य ॥ २०७ ॥ हावन्तनाऊः उथजिहिदियाः सिर्तशेदिनउरुवः ब्राह्मननन्दनः अनष्टिदशतिः अमिवाङ्गा  
 नकिंश्रव । ठेक्युसाश्रुतः आश्रनिगाम्तः वुजियधमाश्रम । अजाश्रवचनः नाश्रिजेकथावः किमरुजप्रयासश्च ॥ २०८ ॥ ब्रह्मिणवदावः इ  
 विदावचनः अविनाश्रुतश्चादि । अश्रुवश्रवर्तः श्रुतिश्रुतश्चः सवाकवेमबिजाईवि ॥ सश्रुवाकवेः ह्रस्वश्रुवतावः श्रुतिकानर्थवज  
 ३३ । एताच्छ्रुनाथाः अश्रुिवावनाः मोहावश्रामिनवत्त ॥ मो ककामतावः हाह्वेवावनाः ह्रस्वावाकानवर्तना । वामवताथाक  
 नाश्रवदानश्रुः जिह्वाश्रुश्रिनर्तना ॥ आमावश्रुकिः हायेन हिक्थः ताह्वेवाश्रुकमाई । सश्रुिउश्रुताकः आमिनकावाह्वे  
 दश्रुवश्रुकमाई ॥ सिताकठाहियाः वावनेवानयः हायोवेह्रुनिठावि । निश्रुयश्रुकथः मातश्रुवाहसः जन्मकामावश्रुमदि । मोवश्रु  
 हाईः ह्रस्वकवसः हायोवेह्रुनिजानि । आसमश्रुवानः मोकठिनायसः मोहावश्रुननाजानि ॥ श्रुमश्रुनकः श्रुतिविजिनियाः अतानकवि  
 नावज । एतसश्रुमियाः मोतसेवाकवेः उमसिवकथाकस ॥ एतिक्तावतावः श्रुमिदेववकः मादिशेतावाह्वे । वाह्वेह्रुयाईः

श्री १४

जयजयवसुवसुवसुवसुवसुव । जावनामनेनेतवेवसुवसुव ॥ हेनवामनामजिताम्रमवसुव ॥ कोनेकहिवाकणावेतावमह  
हेनवामह्वनतजियासवम । वानावामवामसवसुवसुवसुव ॥ १६ ॥ ३०१ ॥ कताह्वह्वः वावनेमातहे । जिताह्वम्रकह्वहे । ना  
जाविह्वः वनोह्वम्रविः इथानेभ्रकसनाहे । ताह्वम्रदेविः ग्रामाह्वनोह्वः विवनाह्वमोह्वम्र ॥ एताकिताम्रविः म्र  
प्रियानगेनाः ह्विवावसुवसुव ॥ म्रुवनिम्रः म्रुववदनिः म्रुदेवेथाम्रुवदय । म्रुवम्रुवमोवः उदितम्रुवकः नाह्वम  
उमाम्र ॥ तामाह्वकः कोनेवम्रिवकः सकनेभ्रनसम्रुव नि । विनिथेववनेः आम्रिवतादेवेथः तामाह्वनविताम्रि  
न ॥ ३०२ ॥ उमिजेभ्रविः उमिजेभ्रविः म्रुदेविह्वनेम्रुव । उथाजिताम्रकः म्रुवसुवोह्वः देवम्रुवम्रुव । ताह्वम्रुवम्रुव  
कान्तिकवभ्रविः विनाम्रवभ्रनकीवे । देवजोम्रुवदेवः म्रुवजोह्वम्रुवः कोनेम्रुवकाम्रुव ॥ ३०३ ॥ वनवाम्रुवम्रुवः उम्रुवम्रुवम्रुवः जिता  
देविमोवसुव । तामाह्वम्रुवः जनककणाताः म्रुविम्रुवनेवजा ॥ ताह्वजाम्रुवः म्रुवम्रुवम्रुवः देविवाकनम्रुव । म्रुविम्रुव

श्री १७

उग्रशशास्त्रानि सप्ततन्त्राणां ॥ अथकार्यसूत्रनिघांतवदनराजाय । एकोऽथकावसिंतावदनराजाय ॥ सिंताकश्चमद्विंतावमदनविज्ञान  
 विच्छिन्नानवकावसाईनासोक्तान ॥ ३७० ॥ कर्षकतामूनथायासदन्तक । सिंताकश्चमद्विंतावमदनयत्नक ॥ जानकिकश्चद्विंतावमदनसह  
 मन । अज्ञोकावनकनागिकविनासमन ॥ एकश्चवेहायहृत्तनडिनासाताशाग । कन्यासहृत्तकतासिद्धेननानास ॥ अज्ञकश्चमद्विंताव  
 वहापिनासमिथ । कदोडनिचविजिह्वकश्चद्विंताव ॥ ३७१ ॥ आ । गवकश्चद्विंतावकनकद्विंताव । कर्षकतामूनथायागययकता  
 नावि ॥ एवादेनकिकिष्वाक्षेकैकश्चद्विंताव । कविहृत्तनाग । विवनिनामन्देदेवि ॥ सेवकेविठनिनाकामिनिविकन्यागन  
 अज्ञोकावनकर्षेयाणाईनातेतिस्सन ॥ अनकीवसवदश्चनिघाहृत्तमन्त्र । मायाडनिदेमन्त्रवदनथाजिनत्र ॥ ३७२ ॥ नासुदियाहृत्तमन्त्र  
 अज्ञोकावनकवि । सिंताकश्चमद्विंतावमदनयत्नक । वावनथाजिह्वदेविदेथिनाईद्विंताव । वदुसायाकदनिकासुत्तजनमत् ॥ एकि  
 उग्रशशास्त्रानि सप्ततन्त्राणां । उग्रशशास्त्रानि सप्ततन्त्राणां ॥ नाजोयदेविठकूववहोह । सिंताकद्विंतावमदनयत्नक ॥ ३७३ ॥

सहस्रमठारः । केशिकाकिशाठजनठमकमालिका । उज्जिकाकिशाठजनअनिरिजिशा ॥ भूजुवमविवरजनराविधान ।  
दृक्कभानेवजिशाठमामिकविधान ॥ ३८२ ॥ एकजाठोत्तुनडिउमिउवृदिशाठ । इकिठमयनेदेविउषुआलुआकु ॥ इवमशु  
देविशाकुविउठनामन । मनेआनोउकिनेकुअविताजन ॥ जिगाहृदिउठिकनआनिलहावन । मेशमत्रादेविनामानवजा  
वृजान ॥ महिशनकुअथनमहिशनकनि । अडुहृउदक, मशकजाठोवेनि ॥ इशनकावनेमावितुनिजाहृ । विवाहंठ  
जिवाअवदमनअमर ॥ कदककमाविनाविउअसक । वृज नशाकाननाककाठिलाअथक ॥ ३८३ ॥ वानिवकुकवितुअमा  
दिशकमर । अशुठकुकविलुवायवाजुअव ॥ मकिनकाआजिनोआगवठनोआव । इशनकावनेअथजिवनआमाव ॥ केनम  
ठहाअववठिउमठिआरु । जिगादेविमाखिवमठिकेनवाठोआरु ॥ ३८४ ॥ अइमिजेदरनकोकिनकाकवठ । दिनजाठवठोकिउ  
कोनकार्यवठ ॥ इवमशुआठठनाअहृविननाउ । वावनअराधउयाविउवाकेमाउ ॥ अइवाजिनोकेजागिकवकोनाशन । इ

श्री

पुत्रिणां विदित्वा त्वात्कसिनिमान ॥ दिव्यविद्यासकतात्तत्तत्प्रकार ॥ नमस्तुते जेनासिआच्छेसुभाय ॥ कतुद्रुनासिकाहृष्टिबजेन  
प्रभु ॥ आयगोष्टेदसदेसिद्येनडियाप्रभु ॥ ११५ ॥ कतानाकठमठमठिनागोष्टयान ॥ आयगोष्टयहनिभानाह्वकान ॥ अजस्रि  
मास्रिप्रकवप्रानस्रि ॥ गोलगोष्टिद्वहातानआययहकि ॥ विहविथाआच्छेकताहृष्टिबजेनप्रभु ॥ ह्रासनवजेनप्रभुसिह्व  
आफाप्र ॥ केहजनिवप्रभुजेनहूनिनेकउन ॥ द्रष्टननप्रित्त ॥ अयाउजेनयेन ॥ १११ ॥ आनतादररजेनसिह्वनिआकनि ॥  
कताहोकसिनिवसिहृष्टिजेनद्रीनि ॥ कताकानिकताथुडिकताह्रासनप्रि ॥ कर्नआविमठकविप्रठिठाम्रि ॥ आनकविदिनकनि  
सिमाठिनि ठावि ॥ एककसोसाउसिरेमप्रथकोहादि ॥ एकआयहृआयठिनिआयहृवि ॥ जिहाआनमेनिआकेसविहृआवडि ॥ ११०  
एकआसिहृआसिकावेठिनिआसि ॥ द्रष्टकानहानजेनठठकवसासि ॥ ताम्रप्रवसावेदेविमसावतेमवा ॥ येदेजेनठठकिआछे



सर्वज्ञानसंज्ञकः ॥ दारुणाश्चासुविभ्रासकलाडवि । समकोबदेत्रिथाकासतर्जनामवि ॥ ब्रह्मिवाभ्यासुक्तानोषविनासागव ।  
गोसानिकुविजिनसुमसु जेमगव ॥ ब्रह्मिवाभ्यासुक्तानोषविनासागव । ब्रह्मिवाभ्यासुक्तानोषविनासागव ।  
आदेसिनेकवारने । गोसानिकुविजिनसुमसु जेमगव ॥ ब्रह्मिवाभ्यासुक्तानोषविनासागव । ब्रह्मिवाभ्यासुक्तानोषविनासागव ।  
असुवदेनसुमनेयोतेजिवसुजिडु । मिथुकार्यतथाकिमविबसु ॥ ३४१ ॥ उद्वेगब्रह्मिवाभ्यासुक्तानोषविनासागव ।  
दिवननिधाम ॥ ३४२ ॥ विकानसुविसवद्वेजाकाहनोके । ॥ ३४३ ॥ उद्वेगब्रह्मिवाभ्यासुक्तानोषविनासागव ।  
विहिय । उद्वेगब्रह्मिवाभ्यासुक्तानोषविनासागव ॥ ३४४ ॥ मायवदाथ ॥ ३४५ ॥ उद्वेगब्रह्मिवाभ्यासुक्तानोषविनासागव ।  
मिनिवसुदेनसुमनेयोतेजिवसुजिडु । मद्रस्यमाविदेनसुमनेयोतेजिवसुजिडु ॥ ३४६ ॥ उद्वेगब्रह्मिवाभ्यासुक्तानोषविनासागव ।  
उद्वेगब्रह्मिवाभ्यासुक्तानोषविनासागव । मद्रस्यमाविदेनसुमनेयोतेजिवसुजिडु ॥ ३४७ ॥ उद्वेगब्रह्मिवाभ्यासुक्तानोषविनासागव ।  
मद्रस्यमाविदेनसुमनेयोतेजिवसुजिडु ॥ ३४८ ॥ उद्वेगब्रह्मिवाभ्यासुक्तानोषविनासागव । मद्रस्यमाविदेनसुमनेयोतेजिवसुजिडु ।  
मद्रस्यमाविदेनसुमनेयोतेजिवसुजिडु ॥ ३४९ ॥ उद्वेगब्रह्मिवाभ्यासुक्तानोषविनासागव । मद्रस्यमाविदेनसुमनेयोतेजिवसुजिडु ।  
मद्रस्यमाविदेनसुमनेयोतेजिवसुजिडु ॥ ३५० ॥ उद्वेगब्रह्मिवाभ्यासुक्तानोषविनासागव । मद्रस्यमाविदेनसुमनेयोतेजिवसुजिडु ।

श्री ११



घरवदिवारिणा ॥ जनकदिष्टवर्षकृद्धारवावशात् ॥ विश्वकर्मिणाजनठश्रानवहात् ॥ २५० ॥ हविर्विवाहोवह्नैर्तनाजति ॥ श्राव्यवताया  
वधधामर्तनाजति ॥ हृमश्रुकान्तेनोह्मनचियाहत् ॥ ह्नमेविजतिर्तनाविविधविद्यात् ॥ उद्यमन्नवनाविद्यावववत् ॥ अज्ञोधनेह्नक  
शाह्नित्तनाजादि ॥ छिउशिवकविदिदेथानोच्छकज ॥ जनकनननिह्नवहिवानितज ॥ २५२ ॥ अन्नवमिभ्युन्नत्तुह्रमान ॥ कदाचित्तजिता  
नकविवायवशात् ॥ अह्रह्रह्रवह्निसुनिश्चातोतान ॥ अह्रह्रह्र ॥ उद्यकदेवतात्तित ॥ कसन्नश्चिप्रमाननार्थनाह्रवमत् ॥ उद्यवम  
शियात्रअज्ञोह्रह्रिन्नत् ॥ २५४ ॥ अश्रमिच्छाह्रमद्यवमार्थनाश्रा ॥ २ ॥ दोनश्रजानकिन्नह्रिन्नह्नह्न ॥ श्राव्यववन्नजजानप्रधमा  
धमा ॥ श्राव्यह्रह्रयानकविवाह्नकृत् ॥ अन्निश्चातोवावनाह्रह्रमत्तुश्रवि ॥ मयजानववजिह्रह्रिन्नानदवि ॥ छिउशिवकवि  
नश्रवियह्रमत् ॥ मठकिन्नवामर्तनाश्राविवह्रत् ॥ २५७ ॥ अश्रकविमानेचाहिनन्ननिवृत्तत् ॥ श्रिजानिह्रह्रिन्नश्रदिवावयत् ॥  
अश्राशियाश्राकृत्तयोचाहिवन्नह्र ॥ विठवित्तकविशाह्रिनाश्रमत् ॥ ह्नार्थमाह्रतिन्नयाश्राश्रिन्नह्रिणा ॥ विनाश्रकृत्तकामिश्राश्रि  
श्रिणा ॥ श्राविकिकामकविनोह्रिविह्रि ॥ नक्रिन्नह्रिकवामदेववन्नकवि ॥ ह्नकविशाह्रिनोह्रैमाह्रववत् ॥ जनित्तनोनिजिन्ने

न ॥ वनहाविम्वयुषमनाइनावाहृदि ! वनिवाजाहाहान्ताथानेनाकादि ॥ आन्त्रुष्टिवाहवकाहसवत्प्रदाया । अत्रवाहृकरवसि  
 जत्राहवद्वेनेया ॥ आन्त्रुष्टिवाहव देससुषहाजाई । केशप्रथमसुषुषुआठिनोत्रकाई ॥ १०५ ॥ श्रीवामनसुमनधु वेणुमाकत्राज  
 ष्टे । आमिसवेदेथिनोहृषहृष्टे ॥ अत्रुष्टेववोनेहृष्टुवाहनहावसे । अदिवाकर्गेनोमश्याहनथादसे ॥ अदिश्रिया  
 वडांनेशाठेनोषविष्टि । वाहववेम्वयुषुवकवाहिनोमात्रि ॥ ३ ॥ सत्कविनप्रदायाहृष्टकविष्टि । विष्टकठिनिशाआमत्रा  
 श्याममिष्ट ॥ सत्प्रतिआनिवामेवानिकमादिन । आथाकव ॥ ४ ॥ कशाहृष्टुवकदिना ॥ अत्रुष्टुष्टिडाकविलेकविमवि  
 स । काठिसंक्राहृष्टकशाहृष्टनादसोदिस ॥ १०६ ॥ अक्रिदकद ॥ क्रिनदिजकथादेसिन । दृष्टुविष्टुताहननसेदिना ॥ आ  
 हृमोवशीवामेआसकनागिनिना । अनेधविष्टानकविमावष्टिजाश्रिना ॥ सनेसकदियामाकसादविष्टहृष्टना । आमाकथनेकथा  
 नेशुजियानाआहृष्टना ॥ सिद्धनमानतनशाहृष्टोमाहृष्टानस । सागद्वविष्टाठेनानकौष्टुवस ॥ सप्रतिश्रुष्टिनाकथाआसिथ्रुष्टि ।  
 अत्रुष्टुष्टुमिनिनवस ॥ अठुष्टुकजेनमाठवावनेमादिन । अक्रिदेसिसवकथाअश्रुष्टकदिन ॥ १०७ ॥ कनिष्टुवकार्यस्रुष्टिनिशाठि

श्री १०

विजाहृदि ॥ मईसात्रिकश्चावजनाप्रथाजिम्भ ॥ हेनप्रनिमाकृतिश्चमवेधश्चवम् ॥ नञ्जिज्ञानेनोत्समोकरकृत्तुगोमानि । मनउवा  
जकणिदिनारुतुवानि ॥ बाकसत्रहिकोमईहयावामन्न ॥ तामाकभूजितथाईनोषवनवम्भ ॥ नक्राणविह्वामायभानमाउठाहू । वा  
कसत्रहिकोमईसश्चायजाह ॥ ५१ ॥ जिताईवानुतवेधमईसवमान । सायववकृत्तुनकहकेनहन ॥ किमउठविउतानद्वस्रमहू ।  
नस्रमनदकृत्तुनकहकेनमउ ॥ माकृतिवानुतमायकृत्तुपातिश्च न । जनदेथिनोहोकरहोवायवकृत्तुन ॥ श्यामनसविवत्रयप्र  
निमारसनि । उहूद्वइनेजेनकमनवगासि ॥ कभूशुहूतमेउ ननासिकाइईकर । उतुमसविवमनाहवश्यामवर्न ॥ ह्यथानु  
रुदुनवकृत्तुम । इईसात्रिकश्चावजनाप्रथाजिम्भ ॥ वंनहेनसवईजाहवहाउसिउ । ठाविवेदउतुनससाउतुपतिउ ॥ दिनइथिथा  
जाणेईयाथककक । सुदवसमानकविद्विहजानक ॥ ५१ ॥ सुमिगावस्रजिज्ञानस्रमनस्रमव । सुमिदिप्रावशुकरुत्तुनववहू ॥ गो  
वनश्रुसमाननथमननाम । विदश्रुसविवकामदेवसमान ॥ सायवववानववमिउवउिउार । सिथेकथाकहोमनउस्रमवमाय ॥ यानिवा  
जास्रुशुहूजयजाहूउाई । किञ्चिन्नानसवेथाचिनउएकेहई ॥ सायवनिमिउेइईवोकरुत्तुनमिनिल । इईहानोहानुउहकृत्तुनइउतासि

मोकतामकप्रशिविकशाबोनि । नरुआननितावासानसनेसहि ॥ ७२४ ॥ महेदशिश्यातामायउमिजनसति । मिसगाइरुदुतानेथा  
ठिनोनामाति ॥ उयठनुकदुनिलेकहउताव । कउकवापुनिलवारनाप्रथताड ॥ निउयप्रकउततावउनामाय । मकठनयअन्नावि  
नववाये ॥ महेजनअनिलोवामउताकेकह । आप्रनावइउरुजनदेथिलोये ॥ ७२५ ॥ जनमतसअथेयहयमिताव । उमिउगादिथ

~~.....~~ सिद्धेवृजसिद्धिद्वया । सिद्धकप्र नामिष्टकठडिलप्रताया ॥ सिद्धदेवानुवाप्रहसदामह । आन  
...नवनशवनवसु ॥ सलकलाक नथाइनिनाहिकेससय ॥ • कोष्टिजेजनकजार्तेतावसनिहय । आमाकनिवाकउइतावस  
आप्रनि । आथाबेकबोनेहोहाहियामनेशुनि ॥ इहायवसवा ककायउनिबेमेकि । बाअववनविथहनिबेकलोके ॥ मप्र  
जनेइनिबेवाअरेषुकेहवि । जिनिनिबेनायाहिनआप्रनावनावि ॥ उविठोवाथासिधुप्रनिजहेनजानि । सिकावनेजानकिकहविक  
विआनि ॥ ७३० ॥ महेसात्रिकथाहनजनयजसते । सुप्रप्रसवअरुहूवोकेनमत ॥ दुनिदिदारनेजेप्रोआनिलेकहवि । उविजाति  
~~.....~~ वादिननाहासप्रवि ॥ इतोसक्राहयमानेथठिलथामाव । अजावसागवेजनमतप्रनिधार ॥ जावमोहसविवतथाहयजियान ।

सप्तकर्मि । गोमानिबद्धं ज्ञानं यथासाक्षात् प्राप्ति ॥ अनिष्टानामनिश्चयं त्रिभुवोर्दि कृत । दामे इति शब्द इत्यत्र यथाशक्रमन ॥ श्री  
मन्त्रदायदेवसागवसृष्टिव । अथिदितावविदिकसृष्टिविद ॥ ७७१ ॥ कन्यात्तत्राह्वं वानतामाकस्रयवि । बाधितेनेच्छिमाना  
प्राप्तसृष्टिवि ॥ इवमन्त्रविलखदठनहेनम्रनि । आमेनह्यमकनासिकानिनागोमानि ॥ इहइहकनासियाविनामइहइहव । आ  
थावेकवितानावुनिदाकनामेव ॥ विनामनेच्छियामायेमोव दल्लोक । सिकावनेवोनामइजननासाहेक ॥ सिद्धिहा  
नामानामानधवादानि । दामततुष्टायेनियजन्तगोमानि ॥ ७७२ ॥ दामवठवनेनियामाकस्रवृष्टाय । अजिधविइहइहव  
प्रवृत्तवानदाइम्रथर्ह । निकि प्रजामोतोइम्रमानर्ह ॥ इनानितेनासावसृष्टाववासासि  
गजिले ॥ दानहेनहिमासावेकूहाववाहनि । म्प्रमियाहृत्केसईनयइति ॥ उयउामाशमशदिवइ  
७७३ ॥ ककहिवासावदनवनाहिअत्त ॥ अनियोकमायमोववाजजनविव । अमिद्रकाहिनिकाहाविवकेसविव ॥ अक्रमान्नवइ  
वृत्तयकवित्त ॥ लोकवृत्तिविसिअहृत्तभविनत्त ॥ ७७४ ॥ ताहानमेवतामाकजमाइनत्तवत्त । अमनिबसआजिउजमत्तवत्त ॥ आ